

मनेन्द्रगढ़

14 सितम्बर 2026

सोमवार



दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडियाऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी



कोल्हापुर,एजेंसी। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया।

महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था। कोल्हापुर के नांदणी में माधुरी को 1992 में लाया गया था। तब वह सिर्फ 4 साल की थी। मठ में करीब 700 साल से हाथी पालने की परंपरा रही है और माधुरी

मलेशियाई पीएम राहुल गांधी से मिले, साथ नाश्ता किया



नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं।

यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं।

इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त

दिल्ली में नए वोटर आवेदन 2.56 लाख पार,30 सितंबर तक दावे-आपत्तियां



नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नए वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए 2,56,042 आवेदन मिले हैं। यह आंकड़ा 13 जिलों का है। इन आवेदनों में 30 अगस्त तक मिले 2,12,400 फॉर्म-6 और 31 अगस्त से 11 सितंबर के बीच मिले 43,642 आवेदन शामिल हैं। एसआईआर ड्राफ्ट रोल पर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर है। इनका निपटारा 31 अक्टूबर तक होगा और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी की जाएगी।

नए वोटर रजिस्ट्रेशन में पश्चिम जिला सबसे आगे: चुनाव आयोग के जारी आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम जिले में नए वोटर रजिस्ट्रेशन के सबसे ज्यादा 34,249 आवेदन मिले। इनमें 30 अगस्त तक 28,820 और 31 अगस्त से 11 सितंबर के बीच 5,429 आवेदन आए। दक्षिण-पूर्व जिले में 29,168 और उत्तर-पूर्व जिले में 28,349 फॉर्म-6 आवेदन मिले।

गणेश चतुर्थी:आज घर-घर विराजेंगे गणपति

● 10:48 बजे से है पूजा का शुभ मुहूर्त



नई दिल्ली,एजेंसी। गणेश चतुर्थी पर विघ्नहर्ता गणपति की पूजा के लिए सुबह 10:48 बजे से दोपहर 1:16 बजे तक का समय सबसे शुभ रहेगा। 14 सितंबर को गणपति की स्थापना के साथ राजधानी में 10 दिवसीय गणेशोत्सव शुरू होगा। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे शुरू होगी और 15



सितंबर को सुबह 7:06 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा। गणेश चतुर्थी पर रवि योग दोपहर 1:55 बजे से 15 सितंबर की सुबह 5:52 बजे तक रहेगा। चित्रा नक्षत्र दोपहर 1:55 बजे तक रहेगा, इसके बाद स्वाति नक्षत्र शुरू होगा। ब्रह्म योग दोपहर 12:47 बजे तक रहेगा और इसके बाद इंद्र योग प्रारंभ होगा। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्न दूर करने के साथ बुद्धि

और समृद्धि प्रदान करते हैं। गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा को सिंदूर अर्पित कर मोदक या लड्डू का भोग लगाने की परंपरा है। श्रद्धालु 10 दिन तक गणपति की पूजा-अर्चना करेंगे। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल का कहना है कि गणेश चतुर्थी के दिन चंद्र दर्शन से बचने की मान्यता है। ऐसा करने पर मिथ्या कलंक लगने की बात कही गई है। भूलवश चंद्र दर्शन हो जाए तो श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध के 56-57वें अध्याय में वर्णित स्वयंतक मणि की कथा का श्रवण लाभकारी माना गया है।

कितने दिन रख सकते हैं गणपति... गणेश चतुर्थी पर गणपति को घर लाने के बाद कितने दिन पूजा करनी है, इसकी कोई एक परंपरा नहीं है। कई लोग डेढ़ दिन बाद विसर्जन करते हैं, जबकि कुछ घरों में तीन, पांच या सात दिन तक गणपति विराजते हैं। कई जगहों पर पूरे दस दिन गणेश उत्सव मनाया जाता है। इस साल अंनंत चतुर्दशी 25 सितंबर को है। इस दिन दस दिवसीय गणेश उत्सव का समापन होगा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणपति का विसर्जन करेंगे।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा को लेकर मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और विघ्न दूर होते हैं। भक्त बप्पा की स्थापना कर परिवार की खुशहाली और जीवन में सफलता को कामना करते हैं।

ब्रिक्स समिट: चिनफिंग के सामने पीएम मोदी की दो टूक बोले- टेक्नोलॉजी-मिनरल्स को हथियार बनाना गलत, इससे दुनिया की तरक्की पर असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिजों के हथियार के तौर पर इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि टेक्नोलॉजी को अपनाने में सबको साथ लेकर चलने (इनक्लूसिविटी) की जरूरत है।

ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन अपनी समापन टिप्पणी में पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाने से देशों की साझा प्रगति में बाधा आ सकती है। पीएम मोदी ने ये बातें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मौजूदगी में कहीं।

'हथियार की तरह हो रहा क्रिटिकल मिनरल्स का इस्तेमाल': उन्होंने कहा, 'इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए

'पूरी मानवता को होना चाहिए फायदा ...' उन्होंने कहा, 'ब्रिक्स की ताकत हमारी विविधता और सहयोग में है। भले ही हमारी परिस्थितियां अलग-अलग हों, लेकिन हम साथ मिलकर सहयोग के जरिए आगे बढ़ते हैं और मानवता के भले के लिए काम करते हैं। हमारी विविधता ही हमारी पहचान बनी रहे, हमारा सहयोग हमारी प्रेरणा बने और हमारी तरक्की से पूरी मानवता को फायदा हो।'।



ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क हमारे स्टार्टअप और इनक्यूबेटर्स को आपस में जोड़ेगा। हमने नए और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले समाधानों को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा है।

डिजिटल एग्रीकल्चर पर ब्रिक्स नेटवर्क किसानों के लिए नए मौके पैदा करेगा। ' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'इस पहल के जरिए एआई, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को किसानों

की असल जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिजों का हथियार के तौर पर इस्तेमाल हमारी साझा तरक्की में रुकावट डाल सकता है। इसलिए, हमने टेक्नोलॉजी को अपनाने में सबको साथ लेकर चलने (इनक्लूसिविटी) पर जोर दिया है।

दुर्लभ खनिजों पर है चीन का दबदबा: दिलचस्प बात यह है कि ये बातें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मौजूदगी में कही गईं। हालांकि प्रधानमंत्री ने किसी खास देश का नाम नहीं लिया, लेकिन इन बातों को बीजिंग के लिए एक संदेश के तौर पर देखा जा सकता है क्योंकि अहम खनिजों और रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की ग्लोबल सप्लाई चैन में चीन का दबदबा है।

विशेषकर चीन के पास दुर्लभ खनिजों की खानें हैं, जो दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक्स और उद्योगों के लिए आवश्यक हैं। चीन ने इन खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की कीमतें बढ़ गई हैं।

मायावती भतीजी दीपिका को सौंप सकती हैं पार्टी

कहा- आकाश-ईशान को कोई पद नहीं दूंगी



वकालत की पढ़ाई कर रही हैं मायावती ने यह भी साफ किया कि दोनों भतीजों आकाश और ईशान को पार्टी में कोई राजनीतिक पद नहीं मिलेगा। भविष्य में उनके बच्चों को भी कोई पद नहीं दिया जाएगा। कांशीराम की तरह मैं भी परिवारावाद के खिलाफ डटी रहूंगी। मैं अविवाहित हूं। महिला हूं, इसीलिए मजबूरी में भाई आनंद कुमार को साथ रखना पड़ा। लेकिन, अब किसी मोह में नहीं पड़ने वाली हूं।

मायावती ने 2 दिन पहले भतीजे आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया था। हालांकि, ईशान अभी 19 राज्यों की संगठनात्मक समीक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

» मैं अविवाहित, मजबूरी में भाई को साथ रखना

लखनऊ,एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती अपनी भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी की कमान सौंप सकती हैं। शनिवार को उन्होंने इसका संकेत दिया। कहा- अगर भाई आनंद कुमार को मदद के लिए किसी सदस्य की जरूरत पड़ती है, तो वह अपनी इकलौती बेटे दीपिका आनंद की मदद ले सकते हैं। उनकी ईमानदारी और कार्यक्षमता के आधार पर भविष्य में पार्टी में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

19 साल की दीपिका फिलहाल

ममता बनर्जी को बागियों का ऑफर- नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें

● हम उम्मीदवार नहीं उतारेंगे ● 2021 में इसी सीट पर सीएम शुभेंदु से चुनाव हारी थीं

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी गुट ने कहा है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ती हैं तो वह अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगी। ऋतब्रत ने कहा कि वे ममता को विधानसभा में वापस देखना चाहते हैं और नंदीग्राम से उनका चुनाव लड़ना बेहतर होगा।

ऋतब्रत ने बताया कि उनके गुट ने उपचुनाव के लिए उम्मीदवार लगभग तय कर लिया है, लेकिन ममता के चुनाव लड़ने की स्थिति में नाम वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ममता निर्दलीय उम्मीदवार के

विशेषकर चीन के पास दुर्लभ खनिजों की खानें हैं, जो दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक्स और उद्योगों के लिए आवश्यक हैं। चीन ने इन खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की कीमतें बढ़ गई हैं।

विशेषकर चीन के पास दुर्लभ खनिजों की खानें हैं, जो दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक्स और उद्योगों के लिए आवश्यक हैं। चीन ने इन खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की कीमतें बढ़ गई हैं।

अमेरिका का दावा: 9/11 हमले के 25 साल बाद अफगानिस्तान में फिर शुरू हुए अल-कायदा और आतंकी कैप

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने दावा किया है कि 9/11 के 25 साल बाद अफगानिस्तान में अल-कायदा और आतंकवादी ट्रेनिंग कैप फिर से शुरू हो गए हैं। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के सत्ता में लौटने और 2021 में अमेरिका के हटने से पैदा हुए सुरक्षा के खालीपन का फायदा उठाकर, इस आतंकवादी संगठन और उससे जुड़े समूहों ने पिछले तीन सालों में अफगानिस्तान में कम से कम आठ ट्रेनिंग सेंटर बनाए हैं।

कैपों में मिल रही आधुनिक ट्रेनिंग: यूएन के मानिटर और पश्चिमी देशों के इंटेलिजेंस अधिकारियों का कहना है कि इन कैपों का इस्तेमाल हथियारों, विस्फोटकों, गुरिल्ला युद्ध और एन्क्रिप्शन, ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग के लिए किया जा रहा है। अब मुख्य अल-कायदा में शायद 100



सलाहकार सेवा के तौर पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे आतंकी समूहों ने भी नए ट्रेनिंग सेंटर बनाए हैं। इससे उग्रवादी इस्लामी समूहों को अफगानिस्तान के 34 में से कम से कम 14 प्रांतों में पैर जमाने का मौका मिला है।

भारत के लिए चिंता का विषय: अल-कायदा के फिर से सक्रिय होने के बारे में भारत के लिए चेतावनी का सबसे चिंताजनक पहलू यह नहीं है कि यह आतंकी संगठन ट्रेनिंग कैप फिर से बना रहा है बल्कि यह है कि उन कैपों के आस-पास का भूगोल, नेटवर्क और क्षेत्रीय माहौल बहुत हद तक जाने-पहचाने लगते हैं।

1990 और 2000 के दशक में भारत ने आतंकवादी हिंसा का सामना किया, जबकि अमेरिकी जनता तब तक अंतरराष्ट्रीय जिहादी खतरे के बारे में जागरूक होना शुरू ही हुई थी।

कमीशन ने दिया ब्योरा... 9/11 कमीशन ने इस बात का ब्योरा दिया है कि कैसे 1993 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए बम धमाकों के मास्टरमाइंड रमजी यूसुफ की मुलाकात पाकिस्तान में खालिद शेख मोहम्मद से हुई और आखिरकार 1995 में उसे इस्लामाबाद में पकड़ लिया गया। केएसएम एक पाकिस्तान का नागरिक था लेकिन कुवैत में पैदा होने की वजह से उसे गलती से कुवैती समझा जाता था। अफगानिस्तान जाने से पहले पाकिस्तान में ही रहता था। वहीं उसकी मुलाकात असामा खिन लादेन से हुई और उसने वह आईडिया पेश किया जो बाद में 9/11 ऑपरेशन बना। वह ग्वांतानामो में कैद है।

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ में मानसून एक बार फिर होगा एक्टिव, पांच दिन वर्षा का अलर्ट



चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ समेत ट्राईसिटी में सितंबर का आधा महीना बीतने को है और मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। मौसम विभाग ने रविवार से अगले पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश की संभावना है। लगातार बारिश की स्थिति में निचले इलाकों और जलभराव वाले स्थानों पर परेशानी बढ़ सकती है। विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने और अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिन के दौरान बादल छाए रहने के साथ बारिश के कई दौर देखने को मिल सकते हैं। सितंबर में मानसून की विदाई की ओर बढ़ने के बावजूद इस बार बारिश का आंकड़ा सामान्य से नीचे बना हुआ है। विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में होने वाली बारिश से सामान्य और वास्तविक बारिश के बीच का अंतर कम हो सकता है। इस सीजन अब तक चंडीगढ़ में 659.3 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो सामान्य बारिश से 18.2 एमएम कम है। सितंबर के मध्य में पहुंचने के बाद भी बारिश सामान्य से नीचे रहने के कारण अगले कुछ दिन महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। यदि तेज बारिश होती है तो सीजन के वर्षा आंकड़े में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। शनिवार को दिन में गर्मी और उमस का असर रहा, जहां अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, मौसम विभाग के बारिश के अलर्ट के बाद अगले कुछ दिनों में तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

हिमाचल के मौसम में आया बदलाव, तापमान में गिरावट दर्ज, बारिश की संभावना

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में



आज रविवार को बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 16 सितंबर के दौरान प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है। प्रदेश में ताजा वर्षा और कुछ स्थानों पर धूप और बादलों के बीच दिन के तापमान में 3.5 डिग्री तक की गिरावट आई है। नाहन और कल्पा में 3.5, भुंतर में 2.4 और मनाली में 1.7 डिग्री की गिरावट आई है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 33.8 डिग्री दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री की गिरावट आई है। भुंतर और भरमौर में 3 डिग्री, कांगड़ा में 2.3 डिग्री की गिरावट आई है।

झमाझम बारिश से 63 सड़के बंद: प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान धर्मशाला, कांगड़ा, शिमला और बिलासपुर में झमाझम वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में वर्षा और भूस्खलन के कारण 63 सड़कें बंद हैं। इन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। धर्मशाला में बीते चौबीस घंटों के दौरान 87, कांगड़ा में 69, शिमला के कुफरी में 65, जोगिंद्रगढ़ में 48 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

कहा किन्ती सड़कें बंद: प्रदेश में बंद सड़कों में मंडी में 30, कुल्लू व कांगड़ा में 11-11, शिमला, सिरमौर और ऊना में 3-3 सड़कें बंद हैं। इन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

काम के विवाद में नारियल तोड़ने वाले पर दरती से हमला, कटा हाथ लेकर अस्पताल पहुंचा युवक

धरापुरम, एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुपुर जिले के धरापुरम के पास सरकारी अस्पताल के कर्मचारी उस समय हैरान रह गए जब एक व्यक्ति अपना कटा हुआ हाथ लेकर अस्पताल पहुंचा। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद दरती से किए गए हमले में उसका हाथ कटकर अलग हो गया था। पीड़ित की पहचान 32 वर्षीय मुनियांडी के तौर पर हुई है। वह नारियल तोड़ने का काम करते हैं।पुलिस ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को धारापुरम के पास काम को लेकर हुए विवाद के बाद रंजीत नाम के एक अन्य श्रमिक ने मुनियांडी पर दरती से बेरहमी से हमला किया गया, जिसमें मुनियांडी का हाथ कट गया। दर्द से तड़पने के बावजूद मुनियांडी ने अपना कटा हाथ प्लास्टिक की थैली में रखा और प्राइवेट एंबुलेंस से धारापुरम सरकारी अस्पताल पहुंचा। हालांकि, धारापुरम अस्पताल में कटे हुए हाथ को जोड़ने के लिए जरूरी सर्जिकल सुविधाएं न होने के कारण, डॉक्टरों ने कटे हुए हाथ को आइस बाक्स में रखा और बेहतर इलाज के लिए उसे तुरंत कोयंबटूर सरकारी अस्पताल भेज दिया।

सिकंदराबाद मिलिट्री हथियार चोरी: पूर्व हवलदार ने कैसे उड़ाए थे सेना के हथियार, पुलिस ने किया खुलासा

हैदराबाद, एजेंसी। बोलारम में मद्रास रेजिमेंट की बेहद सुरक्षित आर्मरी में चोरी के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व हवलदार यू. मल्लेश ने मोबाइल फोन की टॉच की रोशनी में ये चोरी की। मोबाइल फोन की टॉच की मदद से 37 साल के इस पूर्व फौजी ने अंधेरे में आर्मरी के आस-पास झाड़ियों के बीच रास्ता बनाया और खास हथियार व गोला-बारूद की पहचान की। रात के समय मद्रास रेजिमेंट का निचला स्टाफ आम तौर पर मेन पावर सप्लाय बंद कर देता था, जिससे सीसीटीवी और दूसरी सेवाएं बंद हो जाती थीं और पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता था।

'शराब के नशे में दिया वारदात को अंजाम': एक जांच अधिकारी ने बताया, 'वहां रात में अक्सर बहुत अंधेरा होता है। इस बात की पूरी जानकारी होने के कारण वह अपने साथ मोबाइल फोन ले गया था ताकि उसका इस्तेमाल रोशनी के लिए कर सके। पृष्ठताछ के दौरान जब मल्लेश से पूछा गया कि क्या उसे अपराध करते समय डर नहीं



लगा तो आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि शराब के नशे में होने के कारण उसमें हथियार चुराने की हिम्मत आ गई थी। ' बता दें कि किसी भी समय दो गार्ड पहरेदारी की ड्यूटी पर होते थे। एक गार्ड एक ही जगह पर तैनात रहता था, जबकि दूसरा शस्त्रागार के चारों ओर चक्कर लगाता था। पुलिस का दावा है कि गोला-बारूद वाले कमरे में चोरी करने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगा। गश्त कर रहे गार्ड की नजर से बचने के लिए मल्लेश

झाड़ियों में छिपकर आगे बढ़ा।

पुलिस मल्लेश तक कैसे पहुंची: आर्मरी (हथियार रखने की जगह) तक पहुंच रखने वाले लोगों (चाहे वे अभी काम कर रहे हों या रिटायर हो चुके हों) की पहचान करते हुए अधिकारी नागरकुर्नूल में मल्लेश तक भी पहुंचे। उससे पृष्ठताछ की गई और उसके फोन की भी जांच की गई। मल्लेश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को कोई शक नहीं हुआ और वे यह कहकर लौट

कर्नाटक में बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक दिन में बचाए गए 800 बच्चे



बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के विभिन्न प्रतिष्ठानों में बाल मजदूरी कर रहे 800 बच्चों को शनिवार को एक विशेष अभियान के दौरान बचाया गया। यह अभियान राज्य भर के 962 पुलिस थानों द्वारा चलाया गया,

जिसके दौरान 16,951 परिसरों की जांच की गई। बच्चों को मजदूर के रूप में काम पर रखने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की गई है। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के राज्यव्यापी बाल श्रम अभियान के निर्देश के बाद पुलिस ने बच्चों को बचाया। शिवकुमार ने हाल ही में बेंगलुरु के एपीएमसी यार्ड के अपने दौरे के दौरान बच्चों को काम करते हुए पाया था। पुलिस के अनुसार, अकेले बेंगलुरु में 503 बच्चों को बचाया गया। अभियान के बाद बेंगलुरु में दुकान मालिकों के खिलाफ अपने-अपने प्रतिष्ठानों में बच्चों को काम पर रखने के लिए 18 मामले दर्ज किए गए हैं।

कर्नाटक में एसआईआर के सोशल ऑडिट के लिए अभियान शुरु करेंगे प्रकाश राज

बेंगलुरु, एजेंसी। अभिनेता प्रकाश राज कर्नाटक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का सोशल ऑडिट के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू करेंगे। प्रकाश ने शनिवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि यह अभियान 20 से 30 सितंबर तक कर्नाटक के 10 जिलों में चलाया जाएगा। इस दौरान टीमें अलग-अलग बूथों पर जाएंगी और उन लोगों से साक्ष्य जुटाएंगी जिनके नाम हटा दिए गए। प्रकाश ने कहा, हम पीड़ितों से मिलेंगे। हर जिले में प्रेस मीट होगी, जिसमें पीड़ित अपनी बात रखेंगे। कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया के बाद 24 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 4.46 करोड़ से अधिक वोटर हैं। अंतिम मतदाता सूची 27 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। प्रकाश ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के सिविल सोसाइटी ग्रुप भी अपने साक्ष्य जुटाएंगे। एक या दो अक्टूबर को दिल्ली में बैठक होगी। हम साक्ष्य पेश करेंगे और 15 अक्टूबर तक उन साक्ष्यों के साथ अलग-अलग अदालतों का रुख करेंगे। हमें कानूनी तौर पर लड़ना होगा। हम पूरी समझदारी के साथ लड़ेंगे। प्रकाश ने इस प्रक्रिया को घोटाला और साजिश करार दिया।

ट्रंप ने भारत के सोलर उत्पादों पर क्यों लगाया भारी शुल्क

तया बहेगी भारतीय कंपनियों की मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत समेत तीन देशों से आने वाले सोलर सेल और पैनल पर भारी शुल्क तय कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि इन देशों के उत्पादकों और निर्यातकों ने अनुचित सरकारी सब्सिडी का फायदा उठाया और अमेरिकी सोलर उद्योग को नुकसान पहुंचाया। यह फैसला फ्रिस्टलाइन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल से जुड़ी एंटी-डॉपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी की जांच के बाद आया है। भारत के लिए यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि अमेरिकी बाजार में भारतीय सोलर उत्पादों पर अब बहुत ऊंचा शुल्क लग सकता है। भारत के सोलर कारोबार के लिए इसका क्या मतलब अमेरिकी सोलर विनिर्माण और व्यापार से जुड़े गठबंधन ने दावा किया है कि भारत, इंडोनेशिया और लाओस के उत्पादकों ने अमेरिकी बाजार में सोलर उत्पाद अनुचित रूप से कम कीमत पर बेचे और ऐसी सरकारी सब्सिडी हासिल की, जिस पर कार्रवाई की जा सकती है। गठबंधन का कहना है कि इससे अमेरिका के घरेलू सोलर विनिर्माण उद्योग को वास्तविक नुकसान हुआ। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग का अंतिम फैसला क्या आता है। यदि फैसला सकारात्मक रहा और शुल्क आदेश जारी हुए।

पांच किमी लंबी मेज, 20 हजार लोग और गिनीज रिकॉर्ड: बच्चों के अस्पताल के लिए जुटाया पैसा, क्या है पूरा मामला

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शनिवार को एक अनोखा आयोजन हुआ। यहां करीब 20 हजार लोग एक साथ एक मीलों लंबी मेज के आसपास बैठे। मकसद सिर्फ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक बड़े अस्पताल के लिए पैसा जुटाना भी था। आयोजन का नाम 'यूनाइटिंग टेबल' रखा गया था। यह 5,055 मीटर लंबी थी और यूनिरी बुलेवार्ड से लेकर सविधान चौक तक फैली हुई थी। इसके सामने रोमानिया की कस्युनिरट दौर की विशाल संसद भवन की इमारत मौजूद थी। आयोजन में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए और कई मेजों को फूलों और खाने-पीने की चीजों से सजाया गया था। लोगों ने एक साझा उद्देश्य के लिए इस पूरे आयोजन में हिस्सा लिया।'यूनाइटिंग टेबल' की कुल लंबाई 5,055 मीटर थी और इसे पुनर्क्रियत सामग्री से तैयार किया गया था। इसी वजह से इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

कौन सा गिनीज रिकॉर्ड बना: इस आयोजन के बाद रोमानिया स्थित 'ब्लूम द वर्ल्ड एंजोसिएशन' को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र दिया गया। रिकॉर्ड पुनर्क्रियत



सामग्री से बनाई गई सबसे लंबी मेज का है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वरिष्ठ निर्णायक और आधिकारिक ऑन-स्क्रीन जज जोआन ब्रेंट भी बुखारेस्ट के कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने मंच से कहा कि इस रिकॉर्ड को सिर्फ उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसका इस्तेमाल एक वास्तविक सामाजिक उद्देश्य के लिए किया गया।

इस आयोजन से जुटाया पैसा कहा जाएगाआयोजन से

जुटाई गई रकम बुखारेस्ट के ओब्रेगिया अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बनने वाली नई मनोरोग चिकित्सा सुविधा के निर्माण में लगाई जाएगी। मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के मुताबिक यह सुविधा 3,900 वर्ग मीटर में बनेगी। परियोजना पर करीब 1.65 करोड़ यूरो खर्च होने का अनुमान है। इसका निर्माण निजी दान और प्रायोजकों की मदद से किया जा रहा है। फाउंडेशन का कहना है कि मौजूदा बाल मनोरोग विभाग पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह में चल रहा है, जो बच्चों और उनके परिवारों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नई इमारत में पांच मंजिलें होंगी। यहां चिकित्सा कक्षों के साथ व्यावसायिक चिकित्सा और आभासी वास्तविकता वाले कमरे भी बनाए जाएंगे।अस्पताल में संवेदी और शैक्षणिक स्थान, अलग विश्राम क्षेत्र और किशोरों में नशे की लत के इलाज के लिए एक विशेष विभाग भी होगा।

बच्चों के लिए नए अस्पताल की जरूरत क्यों पड़ी: मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के अनुसार रोमानिया में गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनमें अवसाद, व्यवहार संबंधी विकार,

दस्तावेज में बताया गया कि बिन लादेन और अफगानिस्तान में मौजूद अन्य आतंकी नेताओं पर अमेरिका की कार्रवाई के बावजूद उनका नेटवर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था। उनकी संचार व्यवस्था काम कर रही थी और कुछ आतंकी शिविरों में प्रशिक्षण दोबारा शुरू हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अल कायदा प्रमुख अमेरिका और ब्रिटेन के खिलाफ भी आगे हमले करने की तैयारी में था। दस्तावेज में यह आकलन भी किया गया था कि बिन लादेन कम से कम 60 देशों में मौजूद लोगों और सहयोगी आतंकी संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल हमलों के लिए कर सकता है। अमेरिका को कई बार दी गई थी आतंकी हमले की चेतावनी सीआईए की ओर से जारी किए गए इन

प्रेसिडेंशियल ब्रीफ से यह भी पता चलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपतियों को 1998 से 2001 के बीच कई बार संभावित आतंकी हमले को लेकर चेतावनी दी गई थी। इन दस्तावेजों का सिलसिला बिल क्लिंटन के राष्ट्रपति कार्यकाल से शुरू होकर जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल तक जाता है। षट्ठू ने इसे अपनी बेहद संवेदनशील खुफिया सामग्री में अभूतपूर्व पारदर्शिता बताया है। 11 सितंबर 2001 को क्या हुआ था 11 सितंबर 2001 को अल कायदा के 19 आतंकीयों ने चार यात्री विमानों को हाईजैक कर लिया था। इनमें से दो विमान न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का टिवन टावर्स से टकराए। हमले के बाद दोनों इमारतें पूरी तरह ढह गईं। तीसरा विमान अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन से टकराया।

नशीले पदार्थों का इस्तेमाल, ऑटिज्म और एडीएचडी जैसी समस्याएं शामिल हैं। फाउंडेशन के मुताबिक गंभीर मानसिक विकारों से जुड़े बच्चों के मामले 2018 में 3,839 से बढ़कर 2024 में 5,600 से ज्यादा हो गए। मौजूदा बाल मनोरोग क्लिनिक में 62 बिस्तर हैं। फाउंडेशन का कहना है कि कई बाड़ों में बड़ी संख्या में बिस्तर हैं, लेकिन उनके साथ अलग बाथरूम नहीं हैं। जगह की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों के साथ निजी बातचीत करना भी मुश्किल हो जाता है।

नए अस्पताल से हर साल गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे 5,700 से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था की जगह बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा माहौल तैयार करना है।

क्या पहले भी ऐसा रिकॉर्ड बना चुका है रोमानिया: इससे पहले सबसे लंबी पुनर्क्रियत सामग्री वाली मेज का गिनीज रिकॉर्ड भी 'ब्लूम द वर्ल्ड' के पास ही था। यह रिकॉर्ड रोमानिया के मध्य हिस्से में स्थित अल्मा इड्रिलिया शहर में बनाया गया था।

मेरी जमीन हड़प ली, इंसाफ के लिए सीधे पीएम मोदी के पास पहुंचा उनका पुराना क्लासमेट

सीबीआई जांच की मांग

मुंबई, एजेंसी। मीरा रोड के रहने वाले 81 वर्षीय असगरअली वोहरा ने दशकों पुराने भूमि विवाद में न्याय पाने और मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर अपने स्कूल के क्लासमेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दरवाजा खटखटाया है। गुजरात के वडनगर स्थित बी.एन. स्कूल में पीएम मोदी के साथ पढ़ाई कर चुके असगरअली वोहरा ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और इस विवाद में हस्तक्षेप की मांग की। वोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्हें न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पीएम मोदी और वोहरा की मुलाकात की तस्वीरें और एक प्रेस नोट जारी करते हुए उम्मीद जताई कि मोदी अपने बचपन के दोस्त को न्याय जरूर दिलाएंगे।

क्या है पूरा जमीन विवाद: वोहरा ने 1989 में एक पंजीकृत समझौते के माध्यम से भायंदर पूर्व के नवघर में लगे। उनका आरोप है कि साल 2011 में स्वयम् बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस ने उनकी इस जमीन पर



अतिक्रमण कर लिया। बता दें कि यह कंपनी बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़ी हुई है। वोहरा का आरोप है कि संपत्ति के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और मूल मालिक को इसके बारे में पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया। उन्होंने आगे यह भी आरोप लगाया कि जमीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया और उस पर स्वयम् बिल्डर्स तथा सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस के नाम से कब्जा दिखा दिया गया। इस मामले में 2015 में एक एफआईआर भी दर्ज की गई थी, और वर्तमान में यह मामला अदालत में लंबित है। वोहरा ने बताया कि वे तब से राजस्व विभाग, नगर निगम के अधिकारियों और

पुलिस से लगातार समाधान की गुहार लगा रहे थे।

पीएम से मुलाकात के बाद ए शान में प्रशासन

प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात के बाद, अब नगर निगम प्रशासन ने इस मामले का सज्ञान लिया है। मामले में 16 सितंबर को एक सुनवाई निर्धारित की गई है और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस तथा स्वयम् बिल्डर्स के प्रतिनिधियों को इस सुनवाई में उपस्थित रहने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : रचित मिश्रा

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रीवा में विकसित भारत युवा संपर्क कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त भारत की शपथ



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और उन्हें विकसित भारत2047 के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, रीवा में नशामुक्त युवा फ़र्र विकसित भारत विषय पर विकसित भारत युवा संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का आयोजन मेग युवा

भारत, रीवा द्वा़र किया गया इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया कार्यक्रम का आयोजन मेग युवा भारत, रीवा के जिला युवा अधिकारी कुलदीप सिंह द्वारा किया गया महाविद्यालय की ओर से सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय वर्मा

दी उन्होंने युवाओं को प्रश्नोत्तरी में सहभागिता की प्रक्रिया, युवाओं की भूमिका तथा विकसित भारत2047 के लक्ष्य से जुड़ने के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया उन्होंने विद्यार्थियों से मेग युवा भारत पोर्टल पर पंजीयन करने और विकसित भारत युवा नेता संवाद की प्रश्नोत्तरी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि देश के विकास से जुड़े अभियानों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। युवाओं के विचार, सुझाव और नेतृत्व क्षमता विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नशे के दुष्परिणामों को लेकर किया जागरूक: कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्परिणामों पर आधारित जागरूकता सामग्री के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से होने वाली व्यक्तिगत एवं सामाजिक क्षति के प्रति संवेदनशील बनाया गया विद्यार्थियों को बताया गया कि नशे

भोजन, स्वच्छता और शिक्षा की गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान, अधीक्षक मुख्यालय में रहकर करें दायित्वों का निर्वहन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में अधीक्षक-अधीक्षिकाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की उपस्थिति, भोजन, स्वच्छता, शैक्षणिक गुणवत्ता, योजनाओं के लाभ और छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रतिदिन अपडेट की जाए विद्यार्थियों को मेन्सू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए सार्वकालीन अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने तथा छात्रवृत्ति,

गणवेश, साइकिल सहित अन्य योजनाओं का लाभ समय-सीमा में उपलब्ध कराने को कहा गया कलेक्टर ने सभी अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को मुख्यालय में निवास करने के निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों की देखभाल और छात्रावास की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी छात्रावासों में उपलब्ध सामग्री के सत्यापन के लिए दल गठित कर एक माह में सभी छात्रावासों का निरीक्षण करने, सामग्री का स्टॉक पंजी में संधारण करने तथा आवश्यक सामग्री की सूची तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए गए उन्ोंने आश्रम शालाओं का नियमित निरीक्षण करने और शिक्षकों के समय पर उपस्थित नहीं होने की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीधी शहर में आयोजित विंध्य महोत्सव में कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्रावासों के विद्यार्थियों को भ्रमण कराने की भी व्यवस्था की जाएगी।

खेलो इंडिया संवाद में खेल, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण पर होगा युवाओं से संवाद

27 अगस्त को रीवा और दिव्यगवां में कार्यक्रम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से करेंगे संबोधित



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले के युवाओं और खिलाड़ियों को खेल, फिटनेस तथा राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से खेलो इंडिया संवाद खेल की बात प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम का आयोजन 27

दिव्यगवां में आयोजित होगा। इसमें माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय भागीदारी रहेगी। दोनों संस्थाओं के माध्यम से जिले के युवाओं, खिलाड़ियों और स्वयंसेवकों को कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ फिटनेस को दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना और खेलों के माध्यम से युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है। प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण कार्यक्रम स्थलों पर उपस्थित प्रतिभागियों के बीच किया जाएगा इस दौरान माय भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े युवाओं, खिलाड़ियों और स्वयंसेवकों के साथ खेल, फिटनेस, कौशल विकास, युवा नेतृत्व, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर संवाद किया जाएगा युवाओं से खेलों की जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रतिभाओं की पहचान, खिलाड़ी विकास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को लेकर सुझाव भी लिए जाएंगे कार्यक्रम स्थल पर माय भारत पंजीकरण अभियान चलावे के साथ युवाओं से सुझाव प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कार्यक्रम के संचालन में सक्रिय सहभागिता करेंगे आयोजकों ने इसे जिले के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए खेल एवं युवा शक्ति को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बताया है।

खेलो इंडिया संवाद में युवाओं ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का विद्यार्थियों ने देखा सीधा प्रसारण, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को महारानी लक्ष्मी बाई प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रीवा में खेलो इंडिया संवाद - खेल की बात प्रधानमंत्री जी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया मेग युवा भारत, रीवा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण देखा कार्यक्रम में युवाओं के साथ खेलों के महत्व, खेल भावना, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली और श्रष्ट निर्माण में युवाओं की भूमिका को लेकर संवाद किया गया विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों से जुड़ें तथा खेलों को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में खेल अधिकारी एवं खिलाड़ी डॉ. उमेश पंडित को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए खेल जगत से जुड़े अपने अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का भी माध्यम है उन्होंने



युवाओं को खेल गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना पटेल, सहायक संचालक ऋषि मिश्रा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी आदर्श सिंह एवं अनिशा शर्मा, विभागाध्यक्ष अब्दुल सय्यद खान, सहायक प्राध्यापक डॉ. निरूप सिंह एवं गणेश्वरी सराफ उपस्थित रहे खेल विभाग से समन्वयक दिलीप सिंह एवं ज्योति सिंह ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। मेग युवा भारत, रीवा के जिला युवा अधिकारी कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों को युवा गतिविधियों को सक्रिय सहभागिता करने तथा मेग युवा भारत के

माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय युवा कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया उन्होंने विद्यार्थियों को मेग युवा भारत पोर्टल पर पंजीयन करने की जानकारी दी इस अवसर पर युवाओं को युवा संवाद में अपने विचार एवं सुझाव साझा करने तथा 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2027' के अंतर्गत आयोजित विकसित भारत प्रश्नोत्तरी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया गया आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और श्रष्ट निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और प्रभावी रहा।

सिंगरौली में जनपद सदस्य पर SC/ST एक्ट में केस दर्ज

मारपीट, धक्कामुक्की और जातिसूचक गाली देने का आरोप; दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप, वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। माझू थाना क्षेत्र में जनपद सदस्य रणधीर सिंह के खिलाफ मारपीट, धक्कामुक्की, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है बालक राम साकेत की शिकायत पर परिवार को पुलिस ने SC/ST एक्ट सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है घटना के बाद विवाद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं शिकायतकर्ता बालक राम साकेत ने पुलिस को बताया कि शनिवार को जनपद सदस्य रणधीर सिंह के साथ विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट और धक्कामुक्की की गई उन्होंने रणधीर सिंह पर

कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई और घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ था। वहीं, जनपद सदस्य रणधीर सिंह ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए मामले को साजिश बताया है। उनका कहना है कि क्षेत्र के समिति सेवक की विवेक सिंह परिहार के दबाव में उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है रणधीर सिंह ने आरोपों को निराधार बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है दूसरी ओर समिति सेवक विवेक सिंह परिहार ने भी जनपद सदस्य और उनके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं परिहार का आरोप है कि जनपद सदस्य और उनके साथी क्षेत्र में आवैध नशे का कारोबार कराते हैं उन्होंने

दावा किया कि इसका विरोध करने पर उन्हें धमकाया जाता है। विवेक सिंह परिहार के आरोपों को भी रणधीर सिंह ने सिरे से खारिज कर दिया उन्होंने उल्टा परिहार पर ही नशे का कारोबार कराने का आरोप लगाया है इस तरह विवाद में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इसे भी जांच के दायरे में लिया है हालांकि वीडियो में दिखाई देने वाली परिस्थितियों और घटना की वास्तविक वजह को लेकर पुलिस अभी जांच कर रही है पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अवैध शराब के खिलाफचलेगा विशेष अभियान, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम सीधी में जिले के समस्त मंदिरा अनुज्ञप्तिधारियों तथा आवकरी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीधी जिले में सागर जैसी कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए अवैध मंदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। पुलिस और आवकरी विभाग आपसी समन्वय से ऐसे स्थानों को चिन्हित करें, जहां अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियां संचालित होने की आशंका है बैठक में निर्देश दिए गए कि मुख्यावर तंत्र

एवं सूचना तंत्र को सक्रिय कर अवैध शराब के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जाए चिन्हित स्थानों पर पुलिस और आवकरी विभाग की संयुक्त टीम तत्काल कार्रवाई करें जिले की सीमा से लगे निकटवर्ती ग्रंयों एवं जिलों से अवैध शराब की बिक्री अथवा परिवहन की सूचना मिलने पर तत्काल आवकरी विभाग या पुलिस को सूचित करने के निर्देश भी दिए गए ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई का जा सके बैठक में अवैध शराब के कारोबार में बार-बार सख्त पाए जाने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार कर पुलिस एवं आवकरी विभाग के बीच साझा करने के निर्देश दिए गए ऐसे आदतन अपराधियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आवकरी अधिनियम, 1915 की धारा 45 के तहत प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी विभागीय कर्मचारी कल्याण समिति, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में रीवा-शहडोल संभागीय कर्मचारी सम्मेलन रविवार को मानस भवन, कॉलेज चौहान रोड, रीवा में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया सम्मेलन में रीवा और शहडोल संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कर्मचारी, संघटन के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के

प्रांतीय अध्यक्ष सचिन शर्मा ने की उन्होंने कहा कि संघटन का वास्तविक उद्देश्य प्रत्येक कर्मचारी में मैं नहीं हम का भाव जागृत करना है। संघटन की ताकत किसी एक पदाधिकारी में नहीं, बल्कि कर्मचारियों की एकता, विश्वास और सक्रिय सहभागिता में निहित है उन्होंने कर्मचारियों से संघटन के प्रति विश्वास बनाए रखते हुए एकजुट होकर कर्मचारी हितों के लिए कार्य करने का आह्वान किया सम्मेलन में संयुक्त संचालक रीवा डॉ. पंकज सिंह, उप संचालक रीवा डॉ. वाय.पी. सिंह तथा उप

संचालक सिंगरौली डॉ. पी.के. मिश्रा सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय सचिव विनय कुमार, प्रदेश संयोजक रामेंद्र सिंह कुशावाहा, प्रदेश संघटन मंत्री भूपेंद्र चौहान, संभागीय महिला संयोजक भोपाल प्रभा साहू, संभागीय अध्यक्ष रीवा सनत मिश्रा, रीवा जिला अध्यक्ष अरविंद मिश्रा सहित विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन अमनीश शर्मा ने किया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा, संघटन की एकजुटता, आपसी सहयोग और कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि मजबूत संघटन ही कर्मचारियों की समस्याओं और अधिकारों की प्रभावी ढंग से फैवली कर सकता है इसके लिए प्रत्येक कर्मचारी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है वक्ताओं ने कर्मचारियों से अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया।

हिंदी दिवस पर मण्डप का दो सत्रों में आयोजन

स्कूलों में नुककड़ नाटक से हिंदी की विशेषता बताएंगे रंगकर्मी, पत्रकार भवन में होगा कहानी पाठ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, उसके प्रयोग और साहित्यिक-सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से मण्डप सांस्कृतिक शिक्षा कला केन्द्र, रीवा द्वारा 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित होगा, जिसमें स्कूलों में नुककड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी की विशेषता, उपयोगिता और अस्मिता से परिचित कराया जाएगा वहीं दूसरे सत्र में पत्रकार भवन कला मंदिर में कहानी पाठ का आयोजन किया जाएगा मण्डप सांस्कृतिक शिक्षा कला केन्द्र के निदेशक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था इसी ऐतिहासिक



अवसर की स्मृति में प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग, सम्मान और विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ भारतीय भाषाओं के संवर्धन,

भाषायी विरासत के संरक्षण और नागरिकों तक प्रशासन की पहुंच को मजबूत करने की दिशा में जागरूकता पैदा करना है उन्होंने बताया कि मण्डप लंबे समय से हिंदी रामंच के क्षेत्र में सक्रिय रहते

हुए देशभर में अपने नाटकों के माध्यम से हिंदी रामंच को विस्तार देने का प्रयास कर रहा है इसी क्रम में हिंदी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आयोजन का पहला सत्र

सुबह स्कूलों में होगा, जहां रंगकर्मीयों द्वारा नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया जाएगा।

महापुरुषों के चरित्रों के माध्यम से हिंदी का संदेश: नुककड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की विशेषता, उपयोगिता और अस्मिता के बारे में जानकारी दी जाएगी नाटक की प्रस्तुति में हिंदी साहित्य और भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले साहित्यकारों एवं विद्वानों के चरित्रों को केंद्र में रखा जाएगा नाटक में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, गिरधरादास, महाराजा विश्वनाथ सिंह, जयशंकर प्रसाद, रामचंद्र शुक्ल और फादर कामिल बुल्के जैसे व्यक्तित्वों के चरित्रों के माध्यम से हिंदी की विकास यात्रा और उसके साहित्यिक महत्व को प्रस्तुत किया जाएगा रंगकर्मीयों का प्रयास रहेगा

कि विद्यार्थियों तक हिंदी के प्रति सम्मान और अपनी भाषायी विरासत को समझने का संदेश सहज एवं प्रभावी तरीके से पहुंचे। **पत्रकार भवन में दोपहर 2 बजे कहानी पाठ:** कार्यक्रम का दूसरा सत्र दोपहर 2 बजे से पत्रकार भवन कला मंदिर में आयोजित होगा इसमें मण्डप के नाट्यकर्मी साथी और साहित्यप्रेमी विभिन्न कहानियों एवं किस्सों का पाठ करेंगे कहानी पाठ के माध्यम से साहित्य और रंगमंच के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा आयोजकों ने बताया कि हिंदी दिवस के इस आयोजन में साहित्यप्रेमियों, रंगकर्मीयों और विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है आयोजन का उद्देश्य केवल हिंदी दिवस मनाना नहीं बल्कि भाषा और साहित्य के प्रति नई पीढ़ी में रुचि पैदा करना भी है।

भारत की नई हुंकार

संपादकीय

ब्रिक्स आज केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आर्थिक समूह नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाने वाला महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत और चीन से बने 'ब्रिक' में 2011 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद इसका नाम ब्रिक्स हुआ। 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इसके पूर्ण सदस्य बने तथा जनवरी 2025 में इंडोनेशिया भी पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ। इस विस्तार के साथ ब्रिक्स

अब 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। भारत के लिए वर्ष 2026 विशेष महत्व रखता है, क्योंकि भारत ने एक जनवरी 2026 से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली है और नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत की अध्यक्षता का केंद्रीय दृष्टिकोण लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास पर केंद्रित है। यह अध्यक्षता भारत को केवल आयेजक की भूमिका नहीं देती, बल्कि समूह की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा को प्रभावित करने का अवसर भी प्रदान

करती है। ब्रिक्स का सबसे बड़ा महत्व भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में है। भारत लंबे समय से ऐसी विदेश नीति का समर्थन करता रहा है जिसमें किसी एक शक्ति-गुट पर निर्भरता के बजाय विभिन्न देशों और मंचों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध बनाए जाएं। ब्रिक्स में चीन और रूस जैसे देशों के साथ भारत की भागीदारी है, वहीं भारत अमेरिका, यूरोप,

जापान और अन्य शक्तियों के साथ भी समानांतर रूप से सहयोग करता है। इस प्रकार ब्रिक्स भारत की बहु-सरेखीय विदेश नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है। ब्रिक्स का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत देना है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में आज भी अनेक निर्णय ऐसी संरचनाओं के भीतर लिए जाते हैं, जिनमें विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व उनकी

आर्थिक और जनसंख्या संबंधी भूमिका के अनुरूप नहीं है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता लगातार उठाता रहा है। ब्रिक्स के माध्यम से विकासशील देश सामूहिक रूप से अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और न्यायसंगत वैश्विक शासन व्यवस्था की मांग को मजबूत कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी ब्रिक्स भारत के लिए महत्वपूर्ण है। विस्तृत सदस्यता का अर्थ है बड़े बाजारों, निवेश, ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखलाओं में

सहयोग की नई संभावनाएं। भारत के लिए यह अवसर विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरक्षणवाद, व्यापारिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्गठन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ब्रिक्स के भीतर व्यापारिक बाधाओं को कम करने और भुगतान प्रणालियों को अधिक सुविधाजनक बनाने पर सहयोग भारत के आर्थिक हितों को लाभ पहुंचा सकता है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान प्रणालियों पर सहयोग की संभावनाएं भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है।

ललित गर्ग

पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे उठरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है।

जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात् वापस और 'क्रमण' अर्थात् लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसे प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरी



व्यवहार में कहाँ अहंकार आया? कहाँ लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडं' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश- 'मित्रो मे सर्व्व मायं स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसे प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरी

दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विवास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई

हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और

समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है। पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुःख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मन्यूनन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सेवरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

देवाधिदेव से विघ्नहर्ता तक सामाजिक संस्कारों से सजा गणेश उत्सव और गौरी व्रत

नीलेश वर्मा

हमारी संस्कृति में पर्व केवल पूजा और अनुष्ठान का अवसर नहीं होते, बल्कि वे समाज को जोड़ने, रिश्तों को मजबूत करने और पीढ़ियों तक संस्कार पहुंचाने का माध्यम भी होते हैं। गणेश उत्सव और गौरी व्रत इसी समृद्ध परंपरा के सुंदर उदाहरण हैं। एक ओर विघ्नहर्ता भगवान गणेश का आगमन घर-आंगन में शुभता और उत्साह लेकर आता है, तो दूसरी ओर गौरी व्रत आस्था, पारिवारिक मंगल और नारी शक्ति से जुड़ी परंपराओं को जीवंत करता है। गणेश उत्सव की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसका सामाजिक स्वरूप है। उत्सव के दौरान मोहल्लों और बस्तियों में सार्वजनिक रूप से गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। कहीं भजन-कीर्तन होते हैं, कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम और कहीं बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस सामूहिक सहभागिता से पड़ोसी एक-दूसरे के करीब आते हैं और समाज में अपनत्व की भावना मजबूत होती है। आधुनिक भारत में गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को दिया जाता है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में उन्होंने गणेश उत्सव को सार्वजनिक स्वरूप देकर इसे सामाजिक जागरण और सामूहिक सहभागिता का माध्यम बनाया। इससे गणेश उत्सव घरों से निकलकर बड़े सामाजिक आयोजन का रूप लेने लगा। आज भी सार्वजनिक गणेश उत्सव में उसी सामूहिकता की झलक दिखाई देती है। गणेश प्रतिमाएं बनाने वाले मूर्तिकार, फूल विक्रेता, सजावट करने वाले कारीगर, विद्युत सज्जा से जुड़े लोग और छोटे दुकानदार इस उत्सव

से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं।

भारतीय परंपरा में किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी का स्मरण करने की परंपरा है। इसके पीछे केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि एक सुंदर जीवन संदेश भी छिपा है। किसी भी नए कार्य की शुरुआत से पहले बुद्धि,



विवेक और धैर्य के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है और गणेश जी इन्हीं गुणों के प्रतीक माने जाते हैं। गणेश जी का बड़ा मस्तक बड़ी सोच का, बड़े कान अधिक सुनने का, और छोटी आंखें एकाग्रता का प्रतीक मानी जाती हैं। उनका

छोटा मुख कम बोलने और अधिक सुनने का संदेश देता है। उनका वाहन मूषक यह बताता है कि आकार या सामर्थ्य छोटा-बड़ा हो सकता है, लेकिन हर जीव और हर व्यक्ति का अपना महत्व होता है। इसीलिए गणेश जी की प्रतिमा केवल पूजा का विषय नहीं, बल्कि जीवन के अनेक मूल्यों की सीख भी देती है।

गणेश उत्सव के साथ गौरी व्रत की परंपरा भी अनेक क्षेत्रों में विशेष महत्व रखती है। माता गौरी को शक्ति, सौभाग्य और पारिवारिक मंगल की देवी के रूप में पूजा जाता है। गौरी व्रत में नारी की आस्था, परिवार के प्रति उसका स्नेह और सुख-समृद्धि की कामना का भाव दिखाई देता है। कई स्थानों पर महिलाएं इस अवसर पर एक-दूसरे के घर जाती हैं, गणेश जी का आगमन केवल एक प्रतिमा का आगमन नहीं, बल्कि घर और समाज में सकारात्मकता, उत्साह और एकजुटता के भाव का आगमन है। देवाधिदेव भगवान शिव के परिवार से जुड़े गणेश और गौरी की आराधना हमें आस्था के साथ जीवन के मूल संस्कारों की भी याद दिलाती है। विघ्नहर्ता गणेश का आशीर्वाद और गौरी माता की मंगलकामना हमारे घर-परिवार के साथ पूरे समाज में सुख, शांति, समरसता और सद्भाव का प्रकाश फैलाना ही इन पर्वों की सबसे सुंदर भावना है।

माता शक्ति, ममता और पारिवारिक मंगल का प्रतीक मानी जाती हैं। दोनों पर्वों का साथ आना भारतीय जीवन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें परिवार केवल रिश्तों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों और मूल्यों की पहली पाठशाला है।

इन पर्वों की एक खास खूबसूरती यह है कि इनमें कई पीढ़ियां एक साथ दिखाई देती हैं। बुजुर्ग अपनी परंपराएं और कथाएं नई पीढ़ी को बताते हैं। युवा आयोजन की जिम्मेदारी संभालते हैं और बच्चे पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लेते हैं। इस तरह ल्योहार संस्कृति को किताबों से नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से अगली पीढ़ी तक पहुंचाते हैं। आज के बदलते समय में इन पर्वों का महत्व और बढ़ जाता है। जब जीवन की तेज गति के कारण परिवार और समाज के बीच संवाद कम होता जा रहा है, तब ऐसे अवसर लोगों को फिर से साथ बैठने, मिलने और एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बनने का अवसर देते हैं। गणेश जी का आगमन केवल एक प्रतिमा का आगमन नहीं, बल्कि घर और समाज में सकारात्मकता, उत्साह और एकजुटता के भाव का आगमन है। देवाधिदेव भगवान शिव के परिवार से जुड़े गणेश और गौरी की आराधना हमें आस्था के साथ जीवन के मूल संस्कारों की भी याद दिलाती है। विघ्नहर्ता गणेश का आशीर्वाद और गौरी माता की मंगलकामना हमारे घर-परिवार के साथ पूरे समाज में सुख, शांति, समरसता और सद्भाव का प्रकाश फैलाना ही इन पर्वों की सबसे सुंदर भावना है।

गणेश उत्सव की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसका सामाजिक स्वरूप है। उत्सव के दौरान मोहल्लों और बस्तियों में सार्वजनिक रूप से गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। कहीं भजन-कीर्तन होते हैं, कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम और कहीं बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस सामूहिक सहभागिता से पड़ोसी एक-दूसरे के करीब आते हैं और समाज में अपनत्व की भावना मजबूत होती है। आधुनिक भारत में गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को दिया जाता है।

वन भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर, 8 से 10 झोपड़ियां हटाईं

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी। (निप्र)। शहर के देहात थाना क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ रविवार को प्रशासन ने कार्रवाई की। राजस्व, वन विभाग, आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम जैसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंची टीम ने वन भूमि पर बनी करीब 8 से 10 झोपड़ियों को हटाकर अतिक्रमण साफ कराया। कार्रवाई के दौरान मौके से कच्ची शराब भी बरामद की गई जानकारी के अनुसार वन भूमि पर बाहर से आए कुछ कंजर परिवारों ने झोपड़ियां बनाकर रहना शुरू कर दिया था। इनके खिलाफ बाहर से कच्ची शराब लाकर बेचने सहित अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें प्रशासन को मिली थीं। शिकायतों के बाद संबंधित विभागों ने संयुक्त कार्रवाई की रविवार को प्रशासनिक अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा कार्रवाई के दौरान जैसीबी की मदद से वन भूमि पर बनाई गई झोपड़ियों को हटाया गया। इसके साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली की सहायता से मौके से सामान भी हटाया गया।

MSP पर फसल बेचने किसानों का पंजीयन 15 सितंबर से जिले में बनाए गए 30 केंद्र, 10 अक्टूबर तक करा सकेगे पंजीयन आधार, बैंक खाता और ऋण पुस्तिका जरूरी



उपलब्ध कराने होंगे। किसान की भूमि, खसरा नंबर, रकबा और बोई गई फसल की जानकारी एग्रीस्टेक डायबेस से ली जाएगी पंजीयन प्रक्रिया शुरू करने से पहले किसान के आधार नंबर का सत्यापन मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी अथवा बायोमेट्रिक डिवाइस के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही भू-अभिलेख में दर्ज किसान के नाम

का आधार कार्ड में दर्ज नाम से मिलान भी जरूरी होगा नाम में अंतर होने पर तहसील कार्यालय करेगा सत्यापन यदि भू-अभिलेख या एग्रीस्टेक डायबेस में दर्ज नाम और आधार कार्ड के नाम में अंतर पाया जाता है तो किसान के पंजीयन का सत्यापन संबंधित तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। इससे नाम संबंधी विसंगतियों के कारण पंजीयन में

आने वाली दिक्कतों का निराकरण किया जा सकेगा पोर्टल पर आधार नंबर, समग्र परिवार आईडी, मोबाइल नंबर, एग्रीस्टेक किसान आईडी या पिछले वर्ष की किसान पंजीयन आईडी दर्ज करने पर किसान की जानकारी प्रदर्शित होगी आवश्यकतानुसार किसान अपने विवरण में संशोधन भी करा सकेगे नए किसानों को पंजीयन के दौरान पूरा विवरण दर्ज करना

होगा एग्रीस्टेक में खसरा नहीं तो जोड़ने की सुविधा यदि एग्रीस्टेक डायबेस में किसान के सभी खसरे दर्ज नहीं हैं तो संबंधित पटवारी, सीएससी, ग्राम सहायक अथवा Farmer Registry MP Mobile App के माध्यम से छूटे हुए खसरों की जानकारी जोड़ी जा सकेगी जिन किसानों के पास आधार कार्ड नहीं है, उन्हें आधार केंद्र के माध्यम से पंजीयन कराना होगा आधार आवेदन की पावती क्रमांक के आधार पर भी किसान पंजीयन करा सकेगे वहीं आधार कार्ड में मोबाइल नंबर दर्ज या अपडेट नहीं होने की स्थिति में किसान को आधार पंजीयन केंद्र से मोबाइल नंबर अपडेट कराना होगा ई-उपार्जन पोर्टल को एग्रीस्टेक से जोड़ा गया है। इसके चलते भू-स्वामी किसानों की जमीन, खसरा, फसल और रकबे से संबंधित जानकारी डायबेस से सीधे प्राप्त की जाएगी इससे पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ने के साथ किसानों को दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

बीमार छात्रा से उल्टी साफ कराने पर प्रधानपाठक को नोटिस

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। मस्तुरी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला बेलटुकरी में बीमार छात्रा से कथित तौर पर सफाई कराने का मामला सामने आया है आरोप है कि स्कूल में तबीयत बिगड़ने के बाद छात्रा को चिकित्सा सहायता दिलाने के बजाय उससे उल्टी से गंदी हुई कुर्सी साफ कराई गई



घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला शिक्षा विभाग के संज्ञान में आया कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की प्रधानपाठक भारती खांडे को कारण बताओ नोटिस जारी किया डीईओ की ओर से जारी नोटिस में प्रधानपाठक से घटना के संबंध में तीन दिन के भीतर स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी शिक्षा विभाग अब मामले से जुड़े तथ्यों और वीडियो के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर निम्नानुसार कार्रवाई की जाएगी।

की जानकारी कलेक्टर संजय अग्रवाल तक पहुंचने के बाद उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय प्राथमिक शाला बेलटुकरी की प्रधानपाठक भारती खांडे को कारण बताओ नोटिस जारी किया डीईओ की ओर से जारी नोटिस में प्रधानपाठक से घटना के संबंध में तीन दिन के भीतर स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी शिक्षा विभाग अब मामले से जुड़े तथ्यों और वीडियो के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर निम्नानुसार कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ दिनभर: चाचा का गला रेटा, भाजपा नेता पर फरसे से हमला बीमार छात्रा से हेडमास्टर ने कराई सफाई, दुकान में लगी आग समेत प्रदेश की 10 बड़ी खबरें



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में रविवार को अपराध, हादसों और प्रशासन से जुड़ी कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आई खबरों में हत्या, हमले, स्कूल में छात्रा से कथित दुर्व्यवहार और आगजनी

जैसी घटनाएं प्रमुख रहीं दिनभर की 10 बड़ी खबरों में कुछ घटनाओं ने स्थानीय स्तर पर लोगों का ध्यान खींचा सबसे चर्चित घटनाओं में एक मामले में चाचा पर हमला कर उनकी हत्या किए जाने की खबर सामने आई घटना के बाद पुलिस ने मामले की

जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश में जुट गई वहीं एक अन्य घटना में भाजपा नेता पर फरसे से हमला किए जाने की जानकारी सामने आई हमले के बाद घायल नेता को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटना के कारणों और हमलावरों की पहचान को लेकर जांच शुरू की। स्कूल से जुड़ी एक घटना में हेडमास्टर पर बीमार छात्रा से सफाई कराने का आरोप लगा। मामले की जानकारी सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने इसे गंभीरता से लिया। घटना को लेकर संबंधित अधिकारी स्तर पर जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होने की बात सामने आई प्रदेश के एक इलाके में दुकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया घटना में दुकान के सामान के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात कराने का आरोप, कांग्रेस नेता के बेटे पर केस

बड़े भाई को भी बनाया सहआरोपी; शादी से इनकार के बाद पीड़िता ने महिला थाने में दर्ज कराई शिकायत

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के इटरसी में नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात कराने का मामला सामने आया है पीड़िता को शिकयत पर महिला थाना पुलिस ने इटरसी निवासी अनुज सोनकर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है मामले में आरोपी के बड़े भाई रहिल सोनकर को भी सहआरोपी बनाया गया है पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार, पीड़िता और अनुज एक-दूसरे को कुछ वर्षों से जानते थे। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि फरवरी 2026 में घर पर अकेले होने के दौरान अनुज ने उसके साथ जबर्दस्ती की इसके बाद भी कई बार



उसके साथ दुष्कर्म किया गया पीड़िता के मुताबिक, जून में उसने अनुज को पिरियड नहीं आने की जानकारी दी। अनुज ने उसे प्रेग्नेंसी टेस्ट किट दी जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई आरोप है कि इसके बाद अनुज ने परिवार के सदस्यों को नाबालिग के गर्भवती होने की जानकारी दी पीड़िता ने आरोप लगाया कि अनुज के बड़े भाई रहिल ने मेडिकल से एक दवा लाकर

दी दवा खिलाने के बाद उसका गर्भपात हो गया पुलिस इस आरोप की जांच कर रही है शिकायत के अनुसार, गर्भपात के करीब तीन महीने बाद लगभग 10 दिन पहले अनुज पीड़िता को इटरसी में सरोवर के पीछे स्थित एक कैफे में ले गया आरोप है कि कैफे के बैकबे में उसकी इच्छा के खिलाफ दोबाय गलत हस्तक की गई पीड़िता ने बताया कि 10 सितंबर को

अनुज ने उसे अगले दिन माता-पिता के साथ भोपाल में डॉक्टर के पास जाने की बात कही पीड़िता ने शादी की बात कही लेकिन अनुज ने इनकार कर दिया विवाद के बाद उसने महिला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई महिला थाना प्रभारी राखी मौर्य ने बताया कि अनुज के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है और उसके भाई रहिल को भी सहआरोपी बनाया गया है मामले की जांच जारी है आरोपी अनुज के पिता रजनीकांत सोनकर कांग्रेस के जिला महासचिव और पूर्व पार्षद बताए जाते हैं जबकि रहिल के भाजपा से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है पुलिस आरोपों की पुष्टि के लिए जांच कर रही है।

स्विफ्ट कार से 97.8 लीटर अवैध शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तारकिरगघाट से करौंदी ले जाई जा रही थी शराब की खेप सोनहरा डैम के पास घेराबंदी कर पकड़ी कार

मीडिया ऑडीटर,अनूपपुर (निप्र)। राजेंद्रग्राम थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्विफ्ट कार से 97.8 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर जब्त की है पुलिस ने मामले में कार सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जब्त शराब की कीमत करीब 37 हजार 620 रूपए बताई गई है इसके अलावा पुलिस ने करीब 4 लाख रूपए कीमत की स्विफ्ट कार भी जब्त की है पुलिस के अनुसार रविवार को थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार बरकड़े को मुखबिर से सूचना मिली थी कि किरगघाट की ओर से एक स्विफ्ट कार में अवैध शराब की खेप करौंदी गांव की तरफ ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके में नाकाबंदी कर



वाहनों की निगरानी शुरू की। **पुलिस को देखकर भागने लगा चालक:** नाकाबंदी के दौरान सदिग्ध स्विफ्ट कार दिखाई दी पुलिस टीम को देखकर चालक ने कार सोनहरा गांव की ओर भागने का प्रयास किया पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी की और सोनहरा डैम के पास कार को रोक लिया।

कार क्रमांक MP 20 CH 7976 में राजेश कुमार नायक (27), निवासी भरनी अमरकंटक और कृष्ण पाल बंजारा (35), निवासी लपटी अमरकंटक सवार मिले। **डिक्कों में मिले शराब के 9 कार्टून:** गवाहों की मौजूदगी में पुलिस ने कार की तलाशी ली। इस दौरान डिक्की से

खाकी रंग के 9 कार्टून बरामद हुए। इनमें कुल 97.8 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर मिली। जब्त शराब में किंगफिशर बीयर, गोवा व्हिस्की और लिमाउंट स्ट्रांग बीयर शामिल है पुलिस ने दोनों आरोपियों से शराब के वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद शराब और परिवहन में इस्तेमाल की जा रही कार को जब्त कर लिया गया पुलिस ने प्रत्येक बैच से सैंपल लेकर शेष शराब को नियमानुसार सील किया। **आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज:** पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

घर की बाउंड्री में उगा रखे थे गांजे के पौधे, पुलिस ने मारा छापा 8.20 किलो वजन के 11 हरे पौधे जब्त, एनडीपीएस एक्ट में आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चितरंगी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नौगई सेकंड में एक व्यक्ति के घर की बाउंड्री के अंदर उगाए गए गांजे के 11 हरे पौधे जब्त किए हैं पौधों का कुल वजन करीब 8 किलो 200 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से आरोपी रज्जू उर्फ राजेश्वर केवट (37) निवासी नौगई को गिरफ्तार कर लिया आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पुलिस के अनुसार रविवार सुबह चितरंगी थाना प्रभारी सुधेश तिवारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नौगई सेकंड में एक व्यक्ति ने अपने घर की बाउंड्री के अंदर गांजे के पौधे लगा रखे हैं सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई और बताए गए स्थान पर दबिश दी गई पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घर की बाउंड्री की तलाशी ली। इस दौरान वहां गांजे के



हरे पौधे लगे मिले। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए सभी पौधों को जब्त किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया 1.20 लाख रूपए कीमत बताई पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के नियमों के तहत गांजे के पौधों को उखड़वाकर जब्त किया। जब्त किए गए 11 पौधों का कुल वजन करीब 8 किलो 200 ग्राम निकला। पुलिस ने जब्त गांजे के पौधों की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रूपए बताई है धारा 8 और 20-ए के तहत केस

चितरंगी थाना प्रभारी सुधेश तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई मामले में अपराध क्रमांक 441/2026 दर्ज किया गया है आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 और 20-ए के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजे के पौधे कब से उगाए जा रहे थे और इनके पीछे किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

फेसबुक पर धार्मिक यात्रा को लेकर आपत्तिजनक कमेंट, करैरा थाने का घेराव

बड़ी संख्या में लोगों ने किया प्रदर्शन, आरोपी के खिलाफ एफआईआर की मांग पर अड़े रहे केस दर्ज होने के बाद समाप्त हुआ विरोध



मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। करैरा कस्बे में सोशल मीडिया पर धार्मिक यात्रा से जुड़ी पोस्ट पर किए गए कथित आपत्तिजनक कमेंट को लेकर रविवार को माहौल गरमा गया कमेंट से नाराज बड़ी संख्या में लोग करैरा थाने पहुंच गए और थाने के

बाहर प्रदर्शन करते हुए आरोपी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल रहीं करीब डेढ़ घंटे तक चले विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी कार्रवाई होने तक

अपनी मांग पर अड़े रहे जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले करैरा कस्बे से मां कैलादेवी करौली के लिए धार्मिक यात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा से संबंधित एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की गई थी आरोप है कि करैरा निवासी आशीष गोयल ने इस पोस्ट पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी कमेंट सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई और मामले में कार्रवाई की मांग उठने लगी रविवार को इसी मामले को लेकर बड़ी संख्या में लोग करैरा थाने पहुंचे लोगों ने पुलिस के सामने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने और तत्काल कार्रवाई की मांग रखी थाने के बाहर भीड़ जुटने के बाद कुछ देर तक प्रदर्शन की स्थिति बनी रही।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि धार्मिक भावनाओं से जुड़े मामले में पुलिस को शिकायत मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और शांत कराने का प्रयास किया हालांकि प्रदर्शनकारी एफआईआर दर्ज किए जाने तक वहां से हटने को तैयार नहीं हुए करीब डेढ़ घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने शिकायत लेकर मामले में कार्रवाई शुरू की पुलिस के अनुसार नरेंद्र साहू पुत्र स्वर्कृष नारायण साहू की शिकायत पर करैरा निवासी आशीष गोयल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद

प्रदर्शनकारियों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया और थाने के बाहर जुटी भीड़ धीरे-धीरे हट गई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है सोशल मीडिया पर किए गए कथित कमेंट और संबंधित पोस्ट की जांच की जा रही है पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कमेंट किस परिस्थिति में किया गया था और उसके संबंध में उपलब्ध डिजिटल सामग्री क्या है एफआईआर दर्ज होने के बाद फिलहाल करैरा में स्थिति सामान्य बताई गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर विवादित अथवा आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट या साझा करने से बचने की अपील की है, ताकि किसी तरह का विवाद उत्पन्न न हो।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

सड़क हादसे में दो घायल मौके से मिली टूटी नंबर प्लेट से फरार कार की तलाश में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र में शनिवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को पीछे से टक्कर मार दी हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हुए हैं दोनों घायलों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया जानकारी के अनुसार बदरवास थाना क्षेत्र के सांडर गांव निवासी भूरा उर्फ चंद्रभान यादव, मुकेश शर्मा और रामकुमार शर्मा बाइक से जमीन से जुड़े काम के सिलसिले में कोलारवास तहसील गए थे। काम पूरा करने के बाद तीनों बाइक से वापस बदरवास लौट रहे थे



शनिवार शाम तीनों लुकवासा बायपास पर जगन्नाथ होटल के पास से गुजर रहे थे इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए सूचना मिलने पर उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल शिवपुरी पहुंचाया गया अस्पताल में

डॉक्टरों ने चंद्रभान यादव को मृत घोषित कर दिया वहीं मुकेश शर्मा और रामकुमार शर्मा को फ्रैक्चर होने के कारण भर्ती कर इलाज किया जा रहा है हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया पुलिस को घटनास्थल से कार की टूटी हुई नंबर प्लेट मिली है पुलिस इसी नंबर प्लेट के आधार पर कार और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है रविवार पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी खबर के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है पुलिस फरार चालक की तलाश के साथ दुर्घटना के कारणों की भी जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में टपरी में अवैध शराब बनाते आरोपी गिरफ्तार

225 लीटर महुआ शराब जब्त, 1000 लीटर लहान नष्ट किया



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद खरगोन पुलिस अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। शनिवार दोपहर चैनपुर पुलिस ने खेत की टपरी में अवैध रूप से महुआ शराब बनाने और रखने की सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान टपरी से 225 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, इसकी कीमत करीब 22,500 रुपए है। शराब बनाने का सामान भी जब्त किया गया। खसोन में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई। खसोन में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई।

सोयाबीन फसल के रोग नियंत्रण के लिए अनुशंसित फफूंदनाशक का उपयोग करें

सीहोर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सोयाबीन की फसल इस समय फलन एवं पौड निर्माण की स्थिति में हैं। इस समय सोयाबीन की फसल पर पॉड ब्लाइट कॉलर रॉट, चारकोल रॉट आदि रोगों से बचाव के लिए उपयुक्त फफूंदनाशक का छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार सोयाबीन में चारकोल रॉट-संक्रमित पौधों की पत्तियां छोटी व पीली होकर भूरे रंग में परिवर्तित होकर167/1पायरोक्लोस्टोबीन 333 द्/घ स्ट 300 ग्रामप्रति हैक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

सोयाबीन में गर्दन सड़न यह रोग गर्म व आई: वातावरण में फैलकर सड़न व विल्ट के रूप में नवजात पौधों एवं तनों पर लाल भूरे रंग के सरसों के बीज जैसे गोल-गोल स्क्लेरोशिया बनते हैं, जिससे पौधे मुड़ाकर गिर जाते हैं। इसके नियंत्रण के लिए फफूंदनाशक दवा पायरोक्लोस्टोबीन 163 द्/1 इपॉक्सिकोनाजोल 50द्/1 स्थ मात्रा 750 मिली या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत मैकोजेब 63 प्रतिशत मात्रा 1.25 किग्रा प्रति हैक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। सोयाबीन में पॉड ब्लाइट- यह रोग फफूंद, बीज एवं भूमि जनित लगातार वर्षा एवं अत्यधिक नमी के कारण होता है। इस रोग के नियंत्रण के लिए टेब्यूकोनाजोल 25.9 ई.सी. मात्रा 625 मिली या टेब्यूकोनाजोल 10 % + सल्फर 65 प्रतिशत मात्रा 1.25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। सोयाबीन में गड़जोक्टोनिया एरियल ब्लाइट- यह रोग गर्म व आई वातावरण में भूमि एवं बीज जनित फफूंद द्वारा फैलता है, इसके प्रकोप में पत्तियों की निचली सतह पर छोटे या बड़े भूरे रंग के लाल अण्डाकार धब्बे बनते हैं।

खंडवा के द बेस्ट स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा

3 युवतियां, 5 युवक हिरासत में, मौके से आपत्तिजनक सामग्री बरामद, पुलिस नेटवर्क खोज रही



मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। ,एजेंसी। खंडवा शहर के मोघट रोड थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस ने द बेस्ट स्पा सेंटर पर दबिश देकर तीन युवतियों समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस को स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद महिला पुलिस बल के साथ कार्रवाई की गई। मौके से सेक्स रैकेट संचालित किए जाने से संबंधित साक्ष्य मिले हैं। आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर में 3 युवतियां मिलीं। उनके साथ 4 व्यक्ति और एक कर्मचारी को भी हिरासत में लिया गया है। कर्मचारी की पहचान सद्दाम के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। स्पा सेंटर के संचालन, पूरे नेटवर्क से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

इंदौर-दिल्ली की रहने वाली हैं युवतियां:

सीएसपी अभिनव बारगे ने बताया कि स्पा सेंटर से मिली तीनों युवतियां इंदौर और दिल्ली की रहने वाली हैं। युवतियों को वन स्टॉप सेंटर भेजा गया है। उनके परिजनों को भी पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद सूचना देने की प्रक्रिया की जा रही है।

लाइसेंस और संचालक की जांच

पुलिस अब स्पा सेंटर के लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सेंटर का वास्तविक मालिक कौन है और इसका संचालन किसके द्वारा किया जा रहा था। पुलिस को आशंका है कि स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के जरिए सेंटर से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

शिकायतों के बाद महिला पुलिस बल के साथ कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्पा सेंटर को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों की जांच के बाद शनिवार देर रात महिला पुलिस बल को साथ लेकर टीम ने सेंटर पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से मिली सामग्री को जांच के लिए जब्त किया है।

शहर के अन्य स्पा सेंटर भी रडार पर

द बेस्ट स्पा सेंटर पर कार्रवाई के बाद पुलिस अब शहर में संचालित अन्य स्पा सेंटरों की भी जांच करने की तैयारी में है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शहर के स्पा सेंटरों को लेकर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसमें सेंटर के लाइसेंस, संचालक की जानकारी, कर्मचारियों के दस्तावेज और वहां संचालित गतिविधियों की जांच की जाएगी।

इटारसी में बारिश थमी, तवा डैम 8 फीट खाली

पिछले साल कई बार खुले थे गेट, 12 से 16 सितंबर के बीच फिर बारिश की उम्मीद



मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में मानसून की विदाई शुरू हो गई है और बारिश का दौर थमने लगा है। सुबह से तेज धूप निकलने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इस पूरे बारिश के सीजन में जिले के सबसे बड़े तवा डैम के गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। पिछले साल मानसून के दौरान तवा डैम के गेट कई बार खोले गए थे। इस बार मानसून विदाई की ओर है, लेकिन डैम अभी भी अपने तय जलस्तर से करीब 8 फीट नीचे है। तवा डैम का तय जलस्तर 1166 फीट है, जबकि वर्तमान जलस्तर करीब 1158 फीट दर्ज किया गया है।

1140 मिमी बारिश के बाद भी डैम खाली:मानसून के आखिरी दौर में भी तवा डैम अपने पूरे भराव स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। पिछले साल की तुलना में इस बार बारिश भी कम हुई है। पिछले 24 घंटे में इटारसी में बारिश नहीं हुई। इस सीजन में जिले में सबसे ज्यादा बारिश पंचमढ़ी में करीब 1140 मिमी और इटारसी में करीब 904 मिमी दर्ज की गई है। आंकड़े अच्छी बारिश दिखाते हैं, लेकिन तवा डैम का जलस्तर इस बार मानसून की अलग तस्वीर बता रहा है।

12 से 16 सितंबर के बीच फिर बारिश की उम्मीद: मानसून की विदाई से पहले मौसम विभाग के अनुमान से एक बार फिर उम्मीद जगी है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 12 और 13 सितंबर को जिले के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। ऊपरी हवाओं में चक्रवाती सिस्टम बना हुआ है और मानसून ट्रफ लाइन प्रदेश के कुछ हिस्सों से गुजर रही है। इसके अंसर से 12 से 16 सितंबर के आसपास बारिश का एक और दौर आने की संभावना है।

अब तवा डैम के जलस्तर पर नजर: मानसून की विदाई से पहले होने वाली बारिश तवा डैम का जलस्तर कितना बढ़ाती है, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल 8 फीट की कमी के साथ तवा डैम के गेट खुलने का इंतजार इस मानसून सीजन की सबसे बड़ी तस्वीर बन गया है।

बुरहानपुर में 24 घंटे से लगातार बारिश

तासी का जलस्तर 218 मीटर पहुंचा, घाटों पर पुलिस-होमगार्ड तैनात



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। शनिवार रात भी शहर में बारिश का दौर जारी रहा, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया। लगातार बारिश के कारण तासी नदी का जलस्तर भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने नदी के घाटों पर पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात कर दिए हैं। तासी का जलस्तर करीब 218 मीटर तक पहुंच गया है। हालांकि, यह अभी खरों के निशान से नीचे है। लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नदी और नालों के किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। पुलिस जवान शहर के नदी घाटों पर लगातार गस्त कर रहे हैं।

अगले दो दिन बारिश की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर और उज्जैन संभाग में मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। इसके चलते बुरहानपुर जिले में अगले दो दिन भी बारिश होने की संभावना है। लगातार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। बारिश के कारण जिले का अधिकतम तापमान 31 डिग्री से घटकर 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री से गिरकर 23 डिग्री सेल्सियस हो गया है।

इस साल अब तक 825.4 मिमी बारिश: जिले में 1 जून से अब तक 825.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में बारिश 605.7 मिमी बारिश हुई थी।

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कृषि रोडमैप के अंतर्गत जिले में किसानों को फसल सुरक्षा संबंधी तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा ग्राम हसुआ में सोयाबीन एवं उड़द की फसल का निरीक्षण कर किसानों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (इन्स्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च), नई दिल्ली के कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने खेतों में पहुंचकर फसलों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा फसल में दिखाई दे रहे पीला मोजेक रोग एवं विभिन्न कीट व्याधियों की पहचान कर उनके नियंत्रण के संबंध में किसानों को मौके पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया। निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग के उपसंचालक एसएडीओ श्री रूपेश वाघेल, प्रभारी एसएडीओ श्री विशाल यादव तथा ट्रुनट्टू नई दिल्ली के कृषि वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, श्री गगन कुमार महापात्रा एवं श्री नफीस अहमद ने ग्राम हसुआ में किसानों के खेतों का भ्रमण किया। वैज्ञानिकों ने किसान श्री विशाल दांगी, श्री कमलेश लोधी सहित अन्य किसानों के खेतों में सोयाबीन एवं उड़द की फसल की स्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान फसल में पीला मोजेक सहित अन्य कीट एवं रोगों के लक्षणों की जानकारी लेते हुए उनके वैज्ञानिक नियंत्रण के उपाय बताए गए।

30 किसानों को दिया गया प्रशिक्षण: ग्राम पंचायत हसुआ के पंचायत भवन में लगभग 30 किसानों के साथ तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल में रोग एवं कीटों की प्रारंभिक अवस्था में

पहचान करने, प्रभावित पौधों को हटाने तथा अनुशंसित कृषि एवं पौध संरक्षण उपाय अपनाने की जानकारी दी। किसानों की समस्याओं एवं उनके खेतों में सामने आ रही फसल संबंधी दिक्कतों का मौके पर समाधान भी किया गया।

पीला मोजेक एवं सफेद मक्खी के नियंत्रण की दी जानकारी: वैज्ञानिकों ने बताया कि सोयाबीन में पीला मोजेक एवं सोयाबीन मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर बाहर निकालना चाहिए। इन रोगों के प्रसार में सफेद मक्खी एवं एफेंड जैसे वाहक कीट महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः इनकी रोकथाम के लिए कृषि विभाग एवं वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का निर्धारित मात्रा में उपयोग करने की सलाह दी गई।

मंदसौर में 24 घंटे में 21.6 मिमी बारिश

सीजन में औसत 26.61 इंच ,गांधीसागर का जलस्तर भी पिछले साल से 8.79 फीट नीचे



14 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश के आसार: सोमवार 14 सितंबर को आसमान में बादल छाए रहने और रुक-रुककर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 से 25 डिग्री के बीच रह सकता है। 15 सितंबर मंगलवार को बारिश की गतिविधियां कुछ कम हो सकती हैं। सुबह हल्की बौछरें पड़ने के आसार हैं। दिन में बादलों के बीच धूप निकल सकती है और तापमान 28 से 30 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। 16 सितंबर बुधवार को फिर मौसम में बदलाव हो सकता है। बादल छाए रहने के साथ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश या बौछरें पड़ सकती हैं। 17 सितंबर गुरुवार को भी कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार हैं।

शामगढ़ में सबसे ज्यादा 52.6 मिमी बारिश: 13 सितंबर तक जिले में सबसे ज्यादा बारिश शामगढ़ में 52.6 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद सीतामऊ में 43.6 मिमी, सुवासरा में 33.4 मिमी और धुंधड़का में 26 मिमी बारिश हुई। अन्य क्षेत्रों में भानपुरा में 11.6, भावगढ़ में 18, गरोठ में 11.4, मल्हारगढ़ में 13, सजीत में 5, मंदसौर में 5 और कयामपुर में 20 मिमी बारिश दर्ज की गई। सीजन की बात करें तो धुंधड़का में अब तक 797 मिमी, गरोठ में 763, शामगढ़ में 762, भानपुरा में 726.2, सुवासरा में 708.9, मल्हारगढ़ में 677, भावगढ़ में 657.2, मंदसौर में 660, सीतामऊ में 669, कयामपुर में 549.5 और सजीत में 467 मिमी बारिश हुई है।

मंदसौर जिले में 1 जून से 13 सितंबर 2026 तक कुल 7436.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में 9186.7 मिमी बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक 1749.9 मिमी बारिश कम हुई है। जिले की औसत वर्षा इस सीजन में 676 मिमी यानी 26.61 इंच है। पिछले साल इसी अवधि में औसत बारिश 835.1 मिमी यानी 32.88 इंच थी। इस तरह इस साल औसत बारिश पिछले साल के मुकाबले 6.27 इंच कम है।

गांधीसागर का जलस्तर भी पिछले साल से नीचे

13 सितंबर को गांधीसागर बांध का जलस्तर 1300.80 फीट दर्ज किया गया। पिछले साल इसी तारीख को जलस्तर 1309.59 फीट था। इस तरह इस साल गांधीसागर का जलस्तर पिछले साल की तुलना में 8.79 फीट कम है।

बदलते मौसम में वायरल संक्रमण के मरीज बढ़े

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल के डॉ. आकाश चौधरी के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

कुरवाई में 18 को युवा संगम, रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन

युवा संगम रोजगार एवं ओप्रेन्टिसशिप मेले में निजी कंपनियों के प्रतिनिधि लेंगे साक्षात्कार, स्वरोजगार योजनाओं और ऋण की भी मिलेगी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 18 सितंबर को अजीविका भवन, जनपद पंचायत कुरवाई, जिला विदिशा में किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से प्रांभ होगा। युवा संगम के माध्यम से जिले के युवाओं को एक ही मंच पर रोजगार, अप्रेंटिसशिप तथा स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न अवसरों और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में आयोजित रोजगार मेला एवं अप्रेंटिसशिप मेला में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों के लिए उपस्थित आवेदकों के साक्षात्कार लिए जाएंगे तथा पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि होंगे शामिल: रोजगार मेले में पुखराज भोपाल, एक्सिस बैंक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एलआईसी विदिशा, एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान विदिशा, होम हेल्प सेंटर रायसेन, समर्थन ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड, श्रीजी इंटरप्राइजेस, पुष्कल, यशस्वी ग्रुप, वर्ल्ड क्लास, सजीरा भोपाल, सुपर मंडीदीप, ट्राइडेंट, मैन्मन ग्रुप भोपाल, 108 कॉल सेंटर भोपाल, वर्धमान फैब्रिक्स भोपाल, परी होम हेल्थ केयर भोपाल, गणेशा होम हेल्थ केयर इंदौर, स्टॉप सॉल्यूशन सहित अन्य संस्थानों एवं कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर युवाओं से संवाद एवं चयन प्रक्रिया में सहभागिता करेंगे।

स्वरोजगार योजनाओं और ऋण की भी मिलेगी जानकारी: कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तथा शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं उद्यमिता संबंधी योजनाओं की जानकारी भी युवाओं को दी जाएगी। इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उपलब्ध योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा ऋण सुविधा के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इससे युवा नौकरी के साथ-साथ स्वयं का रोजगार एवं उद्यम स्थापित करने के विकल्पों से भी परिचित हो सकेंगे।

इंटर मियामी और नैशविले का मैच

एलेना रिबाकिना ने जीता पहला खिताब



2-2 से ड्रॉ

मियामी,एजेसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विंजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिल्लीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला। इंटर

मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजिशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलाजा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे।

इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआंरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोक़ा और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया। नैशविले ने स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में सर्रिज के गोल से मैच बराबर कर दिया।

इंटर मियामी ने अपनी बढ़त वापस पाने की कोशिश की और अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में जीत हासिल करने के करीब पहुंच गया, जब बॉक्स के दाईं ओर से डी पॉल का एक फिनिश लेफ्ट पोस्ट से टकरा गया। आधिकारक मैच 2-2 पर समाप्त हुआ।

फाइनल में सबालेंका को हराया



न्यूयॉर्क ,एजेसी। कजाकिस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी और विश्व नंबर-1 एलेना रिबाकिना ने 2026 यूएस ओपन का महिला सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। आर्थर एश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में रिबाकिना ने दूसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। ● **तीन सेट तक चला कड़ा मुकाबला**– रिबाकिना ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, सबालेंका ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए इसे 7-5 से जीत लिया। निर्णायक सेट में रिबाकिना ने दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआती दौर में ही सबालेंका की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद रिबाकिना ने अपनी ताकतवर सर्विस और आक्रामक खेल के दम पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर पहली बार न्यूयॉर्क में ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। चैंपियनशिप व्हाइट पर रिबाकिना ने शानदार ऐस लगाकर मुकाबला खत्म किया। ● **रिबाकिना का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब**– यह रिबाकिना का कुल तीसरा ग्रैंड स्लैम

खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। यूएस ओपन की जीत के साथ उन्होंने अपने ग्रैंड स्लैम संग्रह में एक और बड़ी ट्रॉफी जोड़ ली है। न्यूयॉर्क में इससे पहले रिबाकिना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथे दौर तक पहुंचना था। इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त सुधार करते हुए सीधे खिताब पर कब्जा कर लिया। ● **रिबाकिना बनीं नई विश्व नंबर-1**– यूएस ओपन जीतने के साथ ही रिबाकिना डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने आर्यना सबालेंका को शीर्ष स्थान से हटाया। इस जीत के साथ रिबाकिना ने न केवल खिताब अपने नाम किया, बल्कि महिला टेनिस की रैंकिंग में भी बड़ा बदलाव कर दिया। ● **सबालेंका का भी-पीट सपना टूटा**– आर्यना सबालेंका लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने के इरादे से कोर्ट पर उतरी थीं, लेकिन रिबाकिना ने उनका सपना तोड़ दिया। इस हार के साथ यूएस ओपन में सबालेंका की लगातार 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी समाप्त हो गया।

बांग्लादेश की कप्तान ने हरमनप्रीत कौर से नहीं मिलाया हाथ

BCB ने दिया स्पष्टीकरण



नई दिल्ली ,एजेसी। महिला एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर से हाथ नहीं मिलाया था। इस घटना को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने चौंकाने वाला बयान दिया है। बोर्ड ने इस मामले से खुद को अलग करते हुए कहा है कि निगार का यह फैसला पूरी तरह निजी था। भारत से हार के बाद हुआ था विवाद यह घटना 10 सितंबर को दुबई में खेले गए महिला एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले के बाद हुई थी। भारत ने बांग्लादेश को 40 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। मैच के बाद दोनों टीमों की कप्तानों के बीच हाथ मिलाने की परंपरा देखने को नहीं मिली, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। BCB ने कहा- यह निगार का निजी फैसला था। CCB महिला समिति के चेयरमैन रफीकुल इस्लाम बाबू ने साफ किया कि बोर्ड की ओर से निगार सुल्ताना को ऐसा करने के लिए कोई निर्देश नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'बेशक, यह उनका अपना फैसला था।' बाबू ने आगे कहा, 'हम मानते हैं कि खेल दुनिया को एक साथ लाता है। हम सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं।' इसलिए उन्होंने जो कुछ भी किया, वह पूरी तरह उनका निजी फैसला था।' निगार सुल्ताना की कप्तानी पर भी सवाल BCB ने हाथ नहीं मिलाने की घटना से दूरी तो बना ली है, लेकिन निगार सुल्ताना की कप्तानी को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। बोर्ड ने उनकी नेतृत्व क्षमता की समीक्षा शुरु कर दी है। रफीकुल इस्लाम बाबू के अनुसार, निगार की कप्तानी पर अंतिम फैसला महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के समाप्त होने के बाद लिया जाएगा। यानी एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता खत्म होने तक उनकी कप्तानी को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत ने बांग्लादेश को 40 रन से हराया महिला एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और भारत ने मुकाबला 40 रन से अपने नाम कर लिया।

ईशान किशन पहले टी20I में खेलेंगे या नहीं



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20I सीरीज का आगाज रविवार, 13 सितंबर से होने जा रहा है। पहले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को ईशान किशन की फिटनेस को लेकर चिंता हुई थी। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर ने उनकी चोट पर बड़ा अपडेट देते हुए साफ कर दिया है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज के पहले टी20I में खेलने की पूरी उम्मीद है। नेट्स में चोटिल हुए थे ईशान किशन ईशान किशन को शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान परेशानी हुई थी। वह भारत के पहले पूरे ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा ले रहे थे। स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ श्रेयस अय्यर के साथ बल्लेबाजी करने के बाद किशन तेज गेंदबाजी वाले नेट्स में पहुंचे। इस दौरान नेट गेंदबाज नवदीप सैनी की एक तेज बाउंसर उनके शरीर की ओर तेजी से आई। गेंद से बचने के प्रयास में किशन ने अपनी पीठ पीछे की ओर झुकाई, जिसके बाद वह अस्पष्ट नजर आए। उनकी परेशानी को देखते हुए टीम के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ ने तुरंत मैदान पर पहुंचकर उनकी जांच की। श्रेयस अय्यर ने दिया ईशान की फिटनेस पर अपडेट ईशान किशन की चोट को लेकर कप्तान श्रेयस अय्यर ने राहत भरी जानकारी दी। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में अय्यर ने बताया कि उन्होंने अभ्यास के बाद किशन से बातचीत की थी और वह फिलहाल सहज महसूस कर रहे हैं। श्रेयस अय्यर ने कहा, 'ईशान इस समय सहज महसूस कर रहा है। मैंने अभ्यास सत्र के बाद उससे बातचीत की थी। यह सिर्फ एक छोटी-सी परेशानी थी और वह लगातार क्रिकेट खेल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी जानते हैं कि उसने हाल ही में कितनी अच्छी पारी खेली थी। इससे थोड़ी थकान होना स्वाभाविक है। लेकिन आज उसे आराम मिला है और मुझे पूरा भरोसा है कि वह कल के लिए ठीक रहेगा।'

पाकिस्तान के स्थायी टेस्ट कोच बनना चाहते हैं माइक हेसन, बोले- 'मैं इसके लिए तैयार हूँ'

लाहौर ,एजेसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के मुख्य कोच माइक हेसन ने स्थायी टेस्ट कोच की भूमिका संभालने की इच्छा जताई है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट में अंतरिम कोच की जिम्मेदारी निभाने वाले हेसन ने कहा कि वह पाकिस्तान के लिए लंबे समय तक काम करने को तैयार हैं। हालांकि, अंतिम फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को लेना है। तीसरे टेस्ट में अंतरिम कोच बने थे हेसन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लॉर्डस में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज गंवाने के बाद सरफराज अहमद को टेस्ट कोच के पद

से हटा दिया था। इसके बाद माइक हेसन को एजबेस्टन में खेले गए तीसरे और आखिरी टेस्ट के लिए अंतरिम टेस्ट कोच नियुक्त किया गया। हालांकि, हेसन की देखरेख में भी पाकिस्तान को हार से राहत नहीं मिली। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। इस तरह पाकिस्तान को पूरी सीरीज में वलीन स्वीप का सामना

करना पड़ा। स्थायी टेस्ट कोच की भूमिका पर क्या बोले हेसन मैच के बाद माइक हेसन से जब पाकिस्तान के स्थायी टेस्ट कोच बनने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने अपनी इच्छा स्पष्ट कर दी। हेसन ने कहा, 'मैं इसके लिए तैयार हूँ, बिल्कुल।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट बहुत पसंद है और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी प्रतिभा मौजूद है। अगर हम खिलाड़ियों को सही दिशा दे सकें, तो आगे बढ़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।' पाकिस्तान में प्रतिभा की कोई कमी नहीं- हेसन हेसन ने माना कि पाकिस्तान को बदलाव के लिए समय की जरूरत होगी।

श्रेयस अय्यर ने खोला गौतम गंभीर की कोचिंग का राज

बताया उनका सबसे बड़ा गुण



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आक्रामक सोच और शानदार मैन-मैनेजमेंट की जमकर तारीफ की है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अय्यर ने कहा कि गंभीर हमेशा जीतने के इरादे से मैदान पर उतरते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गंभीर खिलाड़ियों के बीच भरोसा और आत्मविश्वास बनाने पर काफी जोर देते हैं। गंभीर की आक्रामक सोच के कायल हैं अय्यर-श्रेयस अय्यर और गौतम गंभीर अपने करियर के अलग-अलग चरणों में एक साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। अब गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं और अय्यर टीम की टी20 कप्तानी संभाल रहे हैं। दोनों के बीच पहले से मौजूद तालमेल को अय्यर टीम के लिए काफी फायदेमंद मानते हैं। गंभीर की कोचिंग शैली पर बात करते हुए अय्यर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनकी सोच बहुत आक्रामक है। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जो मैदान पर

● **खिलाड़ियों के बीच भरोसा बनाते हैं गंभीर**–अय्यर ने कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत सिर्फ उनकी जीतने की भूख नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को संभालने का उनका तरीका भी है। उनके मुताबिक, गंभीर टीम के हर खिलाड़ी को उसकी भूमिका के बारे में स्पष्टता देते हैं और सभी के अंदर भरोसा पैदा करते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, 'वह टीम के अंदर काफी भरोसा और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका के बारे में स्पष्टता होती है और वह जानता है कि उससे क्या उम्मीद की जा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका खिलाड़ियों के साथ आमने-सामने बातचीत करने और उन्हें संभालने का तरीका शानदार है। आगे किसी भी टूर्नामेंट में यह बहुत जरूरी होता है कि आपका हर खिलाड़ी के साथ इस तरह का रिश्ता हो, क्योंकि हम सभी अपने-अपने तरीके से अलग हैं और आपको हर खिलाड़ी को समझना होता है।'

उतरते ही हमेशा जीतने की कोशिश करते हैं।'

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका

स्टार तेज गेंदबाज वनडे सीरीज से बाहर



डरबन ,एजेसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन बाएं हैंडमिस्टिंग में चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह डुआन जेनसन को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने रविवार को जानकारी दी कि डुआन जेनसन 19 सितंबर को डरबन में टीम से जुड़ेंगे। इसी दौरान वह अपने भाई और दक्षिण

अफ्रीकी ऑलराउंडर मार्को जेनसन के साथ भी टीम कैप में शामिल होंगे।

डिवाल्ड ब्रेविस टीम का हिस्सा नहीं

आक्रामक बल्लेबाज डिवाल्ड ब्रेविस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। वह टेस्ट सीजन की तैयारी कर रहे हैं और इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हिस्सा लेंगे। वहीं, एडेन मार्करम पहले वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वह सीरीज के दूसरे और तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा बनेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम: तेबा बावुमा (कप्तान), डुआन जेनसन, कॉर्बिन बोश, मैथ्यू बीट्जके, गेराल्ड कोएलजी, विव्दैन डी कोंक, टीनी डी जॉर्जी, ब्योन कोर्ट्ज़ेन, मार्को जेनसन, केशव महाराज, वेंना मफाका, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एर्नाइजी, रयान रिक्केल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स।

मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए नए खिलाड़ी जीतने को बताव



नई दिल्ली ,एजेसी। मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब के कप्तान रुबेन डायस ने कहा है कि क्लब में शामिल हुए नए खिलाड़ी जीतने के लिए बहुत उत्साहित हैं और वे नए मैनेजर एर्नो मारेस्का की सोच को अपना रहे हैं। डायस ने मारेस्का को पेप गाइडोला की जगह लेने के लिए एकदम सही व्यक्ति बताया। मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश और यूरोपियन खिताब जीतने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए ट्रांसफर विंडो के दौरान कुछ बड़े खिलाड़ियों को साइन किया। उन्होंने डेडलाइन वाले दिन चेल्सी से एन्जो फर्नांडीज को खरीदा और इलियट एंडरसन और अय्यूब बौआदी जैसे अन्य मिडफील्डर भी टीम में शामिल किए। इस विंडो में उन्होंने कुल 458 मिलियन पाउंड खर्च किए। डायस अब क्लब के कप्तान हैं। उन्होंने बर्नाडो सिल्व्वा की जगह यह भूमिका संभाली है। 2020 में क्लब में आने के बाद से ही वे लीडरशिप की भूमिका निभा रहे हैं। डायस ने 'फुटबॉल इंटरव्यू' से कहा, 'मेरी भूमिका की बात करें तो यह खुद का सबसे अच्छा रूप बनने की कोशिश करने के बारे में है, और इस मामले में कुछ भी नहीं बदला है। बहुत से लोग चले गए हैं, और कई विजेता खिलाड़ी भी चले गए हैं। अब बहुत सारे महत्वाकांक्षी और जीतने के लिए बताव नए लोग टीम में शामिल हुए हैं।'

भारतीय टीम के नॉकआउट मुकाबलों में बदलाव

अब स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होंगे। पहले इन मुकाबलों का समय दोपहर 2:00 बजे निर्धारित था। वहीं, सुबह खेले जाने वाले मुकाबले पहले की तुलना में सुबह 9:00 बजे से ही शुरू होंगे। आयोजकों ने यह बदलाव मुकाबलों को पर्याप्त रोशनी में पूरा कराने के उद्देश्य से किया है।

किन मुकाबलों के समय में हुआ बदलाव– समय में बदलाव मुख्य रूप से इन मुकाबलों पर लागू होगा: दूसरा क्वाटरफाइनल: 28 सितंबर 2026 दूसरा सेमीफाइनल: 1 अक्टूबर 2026 गोल्ड मेडल मुकाबला/फाइनल: 3 अक्टूबर 2026 इन सभी मुकाबलों को

अब स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू किया जाएगा। बाकी मुकाबले अपने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार खेले जाएंगे। भारत के संभावित क्वाटरफाइनल का समय भी बदला भारत का संभावित क्वाटरफाइनल भी इस बदलाव से प्रभावित होगा। अगर भारतीय टीम संबंधित क्वाटरफाइनल में पहुंचती है, तो उसका मुकाबला जापान के स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा। जापान का समय भारत से 3 घंटे 30 मिनट आगे है। ऐसे में यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:00 बजे शुरू होगा। पहले क्वाटरफाइनल और पहले सेमीफाइनल का समय पहला क्वाटरफाइनल,

पहला सेमीफाइनल और कांस्य पदक के लिए होने वाला मुकाबला अपने पुराने सुबह के स्लॉट में ही खेले जाएंगे। इन मुकाबलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन मैचों के लिए सुबह 9:00 बजे का शुरुआती समय बरकरार रहेगा। महिला क्रिकेट और प्रारंभिक दौर पर कोई असर नहीं आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि पुरुष क्रिकेट के नॉकआउट मुकाबलों के अलावा किसी अन्य चरण के शेड्यूल में बदलाव नहीं किया गया है। महिला क्रिकेट के सभी मुकाबले पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे। इसके अलावा पुरुष क्रिकेट के प्रारंभिक दौर के मुकाबले भी अपने पुराने समय पर ही होंगे।

आधार बना जीवन का आधार- कलेक्टर के पहल से वृद्ध कृषक की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ निराकरण

तकनीकी अड़चनों के बीच फँसा आधार हुआ अपडेट, 75 वर्षीय वासुदेव गुप्ता को मिली राहत, खुले शासकीय योजनाओं के द्वार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पहचान का एक छोटा-सा दस्तावेज किसी व्यक्ति के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है, इसका जीवंत उदाहरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत झलपी (पोस्ट-महाराजगंज) निवासी 75 वर्षीय वासुदेव गुप्ता का प्रकरण है। पहचान पत्र न बन पाने के कारण उन्हें लंबे समय से विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रहना पड़ रहा था। किन्तु यह बदलाव तब संभव हुआ जब प्रशासन की संवेदनशील सोच ने सेवा संकल्प का प्राथमिकता में रखकर कार्य किया।

‘चार वर्षों की लंबी भागदौड़ और संघर्ष’- आधार कार्ड आज के समय में हर भारतीय नागरिक की पहचान एवं वित्तीय लेन.देन और सरकारी योजनाओं का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है। बीते चार वर्षों के दौरान वासुदेव गुप्ता ने क्षेत्र के लगभग हर आधार केंद्र के चक्कर काटे और कई बार नामांकन भी करवाया। हालाँकि, जब भी वे पावती से स्थिति की जांच



करवाते, तो हर बार तकनीकी कारणों का हवाला देकर उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाता था।

इस समस्या के समाधान और पहचान संख्या प्राप्त करने की उम्मीद में उन्होंने अंबिकापुर स्थित सेवा केंद्र तक की दौड़ लगाई, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी।

● **‘खुले शासकीय और जनकल्याणकारी योजनाओं के द्वार’-** दस्तावेज के तैयार होते ही वृद्ध कृषक के लिए शासन की तमाम कल्याणकारी योजनाओं के रास्ते खुल गए हैं। इसके अपडेट होने से अब वासुदेव गुप्ता एग्री स्ट्रेट पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेगे, जिससे उन्हें सुगमता से धान विक्रय करने और अन्य कृषि-हितैषी योजनाओं का लाभ मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त पेंशन योजना, राशन कार्ड की ई-केवायसी, बैंकिंग सेवाओं तथा ऋण संबंधी प्रक्रियाओं का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संवल प्राप्त होगा।

● **‘प्रशासन की दूरदर्शी सोच’-** जिला प्रशासन का यह प्रयास केवल एक अकेले प्रकरण के निराकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक ऐसी पुख्ता व्यवस्था विकसित करना है जहाँ पहचान से जुड़ी तकनीकी दिक्कतें किसी भी पात्र हितग्राही के अधिकारों के आड़े न आएं। इस दिशा में नामांकन व अपडेशन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने, तकनीकी कारणों से अटके मामलों की पहचान कर उन्हें विशेष अभियान के तहत पुरा करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया जा रहा है।

लगातार आ रही इन बाधाओं के चलते उनकी उम्मीदें धीरे-धीरे टूटने लगी थीं।

‘प्रशासन की संवेदनशील पहल और त्वरित समाधान’- इस मामले में नया मोड़ तब आया जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर मती चंदन संजय त्रिपाठी की संवेदनशील पहल पर जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की ऐसी लांबत शिकायतों को

प्राथमिकता देते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला टीम तथा संबंधित तकनीकी कार्यालयों (ई-डीएम, डीसी एवं एमटीओ) ने तकनीकी अड़चनों की गहराई से पड़ताल की। आपसी समन्वय से समाधान का मार्ग निकालते हुए अंततः गुप्ता का दस्तावेज सफलतापूर्वक तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया।

18 किलो गांजा तस्करी मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर में 18 किलो गांजा की तस्करी के मामले में अदालत ने अंतर्राज्यीय आरोपी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश हृष्यक एक्ट किरण थवाईत की अदालत ने आरोपी राज नामदेव को दोषी ठहराते हुए 1 लाख रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है।

18 किलो गांजा के साथ पकड़ा गया था आरोपी-मामला 18 जून 2024 का है। टिकरापारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध रूप से गांजा लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गांजा तस्करी करते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राज नामदेव, पिता बिजेश नामदेव, उम्र 21 वर्ष, निवासी गुप्तेश्वर मंदिर, किले के अंदर, थाना सिटी

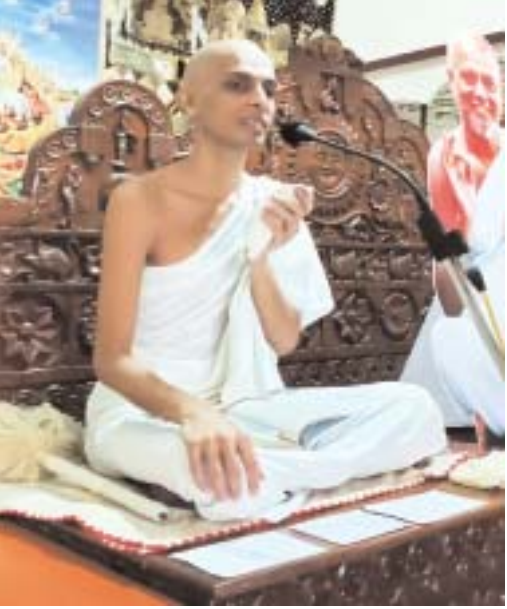
कोतवाली, जिला विदिशा (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई थी।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 18 किलोग्राम गांजा बरामद किया था, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.60 लाख रुपये बताई गई।

NDPS एक्ट के तहत दर्ज हुआ था मामला- टिकरापारा थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 480/2024 दर्ज किया गया था। मामले में धारा 20(बी) हृष्यक एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। पुलिस की जांच और पैरवी के बाद आया फैसला पुलिस के अनुसार, मामले में की गई सशक्त विवेचना और न्यायालय में प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप आरोपी को दोषी ठहराया गया।



धर्मसभा में उतरेंगे माता त्रिशला के 14 महास्वप्न, भगवान महावीर का होगा जन्मवांचन



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास के अंतर्गत पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के अवसर पर धर्मसभा में 11 सितंबर को भगवान महावीर के जीवन चरित्र और उनके पूर्व

भवों का वांचन किया गया। मुनि संवेगरत्न सागर ने कल्पसूत्र ग्रंथ के माध्यम से परमात्मा के 27 भवों के चरित्र और सस्यक ज्ञान का वांचन किया। मुनि ने बताया कि जैन परंपरा में इन 14 महास्वप्नों का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है।

भगवान के जन्म से पहले माता त्रिशला द्वारा देखे गए इन स्वप्नों को परमात्मा के आगमन के शुभ संकेत के रूप में माना जाता है। जन्मवांचन के दौरान इन महास्वप्नों के धार्मिक महत्व और उनके संदेश को श्रद्धालुओं के समक्ष विस्तार से रखा जाएगा।चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराम तुनिया ने बताया कि 12 सितंबर को दोपहर 2 बजे भगवान महावीर के जन्म का वांचन किया जाएगा। इस दौरान भगवान के जन्म प्रसंग के साथ माता त्रिशला देवी को प्रभु के जन्म से पूर्व दिखाई दिए 14 महास्वप्नों का भी वर्णन किया जाएगा। पर्युषण महापर्व में परमात्मा के विशेष जन्मवांचन को लेकर श्रावक-श्राविकाओं में उत्साह है।

धर्मसभा में भगवान महावीर के जन्म प्रसंग के साथ उनके जीवन संदेश और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की सीख मुनि के मुखारविंद से दी जाएगी। चातुर्मास समिति के महासचिव सुरेश बरडिया ने बताया कि पर्युषण महापर्व के दौरान प्रतिदिन धर्मसभा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर मुनि के मुखारविंद से जिववाणी का लाभ ले रहे हैं। भगवान महावीर के जन्मवांचन का प्रसंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अवसर है। इस दौरान भगवान के जन्म से जुड़े प्रसंगों के साथ माता त्रिशला के 14 महास्वप्नों का वांचन किया जाएगा।

साइबर अपराध के खिलाफ जन-जागरूकता को नई गति, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया ‘साइबर संकल्प’ का शुभारंभ

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में 500 से अधिक विद्यार्थियों से उप मुख्यमंत्री ने किया सीधा संवाद

● साइबर ठगी होते ही 1930 पर

तत्काल संपर्क करें, जागरूकता को

गांव-गांव तक पहुंचाएं - विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर, छत्तीसगढ़ को साइबर अपराधों से मुक्त और सुरक्षित डिजिटल राज्य बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ‘साइबर जागृति अभियान’ को आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से नई गति मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किए गए 9 मॉड्यूल वाले वीडियो पाठ्यक्रम ‘साइबर संकल्प’ का शुभारंभ किया।

‘साइबर संकल्प’ के माध्यम से सरल भाषा में डिजिटल सुरक्षा की जानकारी उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। बैंकिंग, खरीदारी, शिक्षा,



व्यापार और सरकारी सेवाओं सहित अनेक कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। डिजिटल सुविधाओं ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों की नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए ‘साइबर संकल्प’ एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत 9 वीडियो मॉड्यूल तैयार किए गए हैं और प्रत्येक मॉड्यूल लगभग 5 से 6 मिनट

का है। इन वीडियो के माध्यम से नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों, डिजिटल सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी।

‘डिजिटल क्रांति के साथ डिजिटल सुरक्षा भी जरूरी - विजय शर्मा’ विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भारत डिजिटल

डिजिटल एडिवशन आज किसी भी अन्य एडिवशन से अधिक खतरनाक:राज्यपाल डेका

आईसीएफआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हुए शामिल



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका आईसीएफआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, जिनमें

19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया शामिल हैं। स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं ‘विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचने चाहिए’

उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर एनर्जी, क्लाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। 21वीं सदी में विकास के साथ उसके दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी।

मानकों के अनुसार परीक्षण भी किया जाएगा। जरूरी वैधानिक अनुमतियाँ मिलने से पहले वृक्षों की कटाई या वास्तविक खनन गतिविधि शुरू नहीं की जा सकती। यानि कोल ब्लॉक की नीलामी, वन एवं पर्यावरण स्वीकृति और वास्तविक खनन की अनुमति अलग-अलग चरण हैं। हसदेव-अरण्य में कोल ब्लॉकों के आवंटन और खनन से जुड़ी प्रक्रिया पहले से चली आ रही है।

तारा कोल ब्लॉक वर्ष 2011 में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम को आवंटित किया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिणामस्वरूप अन्य कोल ब्लॉकों के साथ इसका पूर्व आवंटन निरस्त हो गया। इसी अवधि में हसदेव-अरण्य क्षेत्र के अन्य कोल ब्लॉक विभिन्न सरकारी विद्युत उत्पादन संस्थाओं की जरूरतों से जुड़े थे।

इनमें परसा ईस्ट केते बासन (पीईकेबी), राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की विद्युत उत्पादन जरूरतों के लिए आवंटित प्रमुख ब्लॉकों में शामिल रहा है।

हसदेव-अरण्य क्षेत्र के कोल ब्लॉकों से संबंधित वन और पर्यावरण स्वीकृतियों की प्रक्रिया भी केंद्र की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में आगे बढ़ी थी। वर्ष 2011 में वन सलाहकार समिति की प्रतिकूल अनुशंसा के बावजूद केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के स्तर पर तारा और पीईकेबी के संबंध में वन स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया था। पीईकेबी को जुलाई 2011 में स्टेज-1 और मार्च 2012 में स्टेज-2 फॉरेस्ट क्लियरेंस मिली थी। इसी अवधि में परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया भी आगे बढ़ी।

पूर्व की व्यवस्था में कोल ब्लॉक सरकारी कंपनियों या निर्धारित उपयोगकर्ता संस्थाओं को आवंटित किए जाते थे। वर्तमान व्यवस्था में वाणिज्यिक कोयला खनन के लिए पारदर्शी प्रतियोगितात्मक नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाती है। तारा कोल ब्लॉक की मौजूदा प्रक्रिया इसी व्यवस्था के तहत हुई है। नीलामी में सफल होने से कंपनी को स्वतः खनन, वन या पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिलती। देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और विद्युत आपूर्ति की निरंतरता के लिए घरेलू कोयला संसाधनों की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। हसदेव क्षेत्र में पूर्ववर्ती राज्य सरकार के कार्यकाल में भी कोयला उत्पादन और बिजली आपूर्ति की जरूरत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्तरों पर निर्णय लिए गए और केंद्र सरकार से पत्राचार हुआ।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर खनिज विभाग का त्वरित एक्शन

अवैध खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, रेत-मिट्टी और गिट्टी से लदे 4 ट्रैक्टर व 1 हाईवा जप्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जीपीएम जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग के अमले ने अवैध परिवहन में सलिस 4 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन जप्त किया है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध रूप से खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप मचा है।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिवनी क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में सलिस 2 ट्रैक्टरों को जप्त किया गया। इसी तरह मजगावा से 1 ट्रैक्टर, पडवनिया से मिट्टी (ईट) के अवैध परिवहन में सलिस 1 ट्रैक्टर तथा पकरिया से गिट्टी के अवैध परिवहन में सलिस 1 हाईवा वाहन को जप्त किया गया है।

जप्त किए गए वाहनों को नियमानुसार सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। इनमें 2 ट्रैक्टरों को सिवनी चौकी, जबर्न 2 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन को अमरपुर पुलिस लाइन में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जप्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।



है। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर त्वरित जांच जिले में नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज कराई जा रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों द्वारा मौके पर जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग ने प्राप्त शिकायतों की जांच कर अवैध खनिज परिवहन के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण जांच, समयबद्ध कार्रवाई और सतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप खनिज विभाग द्वारा शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए मौके पर कार्रवाई की जा रही है।

● **‘गोल्डन ऑवर’ का महत्व सामने आया, पीड़ित ने साझा की आपबीती-**कार्यक्रम में साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों ने अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को साइबर ठगी के वास्तविक स्वरूप से अवगत कराया। एक करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी के शिकार डॉ. सेन ने बताया कि किस प्रकार उन्हें ‘डिजिटल अरेस्ट’ के नाम पर साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाया। उन्होंने समय रहते पुलिस से संपर्क किया। गोल्डन ऑवर में पुलिस को सूचना मिलने के कारण 60 लाख रुपये की ठगी की राशि वापस प्राप्त हो सकी। उनकी आपबीती ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि साइबर ठगी के बाद प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है और तत्काल पुलिस अथवा 1930 पर सूचना देना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों से ‘साइबर जागरूकता के दूत’ बनने का आह्वान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा अभियान का सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग तकनीक का सबसे अधिक उपयोग करता है और उसके पास डिजिटल जागरूकता को समाज के बड़े वर्ग तक पहुंचाने की क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने घरों में बुजुर्गों, माता-पिता और अन्य परिजनों को साइबर ठगी के नए तरीकों के बारे में बताएं।

लेनदेन के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। देश में बड़े पैमाने पर डिजिटल लेनदेन हो रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधा जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानी भी जरूरी है। साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में

तकनीक का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क और जागरूक रहना होगा। शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं साइबर अपराधों से बचने के उपाय सीखें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने विशेष रूप से साइबर जागरूकता को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।